राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

कृषकों के हित में न भूतो न ...4

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

मंगलवार, 03 जनवरी 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 14 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

केंद्र को नोटबंदी का फैसला कानून के जरिए लेना चाहिए थाः न्यायमूर्ति नागरत्ना

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बी. वी. नागरत्ना ने कहा कि 500 और 1000 रुपये की श्रंखला वाले नोटों को बंद करने का फैसला गजट अधिसूचना के बजाए कानून के जरिए लिया जाना चाहिए था क्योंकि इतने महत्वपूर्ण मामले से संसद को अलग नहीं रखा जा सकता। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने केंद्र सरकार के 2016 में 500 और 1000 रुपये की श्रृंखला वाले नोटों को बंद करने के फैसले को सोमवार को 4:1 के बहुमत के साथ सही ठहराया, हालांकि न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने सरकार के फैसले पर कई सवाल उठाए हैं।

न्यायमूर्ति एस. ए. नजीर की अध्यक्षता वाली इस पीठ में न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना के अलावा न्यायमूर्ति बी. आर. गवई , न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमण्यन भी शामिल हैं। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि केंद्र के कहने पर नोटों की एक पूरी श्रृंखला को बंद करना एक गंभीर मुद्दा है जिसका अर्थव्यवस्था और देश के नागरिकों पर व्यापक प्रभाव पड़ा है।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस मामले में स्वतंत्र रूप से विचार नहीं किया, उससे सिर्फ राय मांगी गई जिसे केंद्रीय बैंक की सिफारिश नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि पूरी कवायद 24 घंटे में कर डाली। उन्होंने कहा, " मेरा मानना है कि केंद्र सरकार के अधिकार व्यापक हैं, लेकिन इनका इस्तेमाल कानून के जरिए होना चाहिए, अधिसूचना जारी करके नहीं। यह जरूरी है कि संसद जो देश की जनता का प्रतिनिधित्व करती है वहां इस मामले पर चर्चा हो और वही इसकी मंजूरी दे।"

न्यायाधीश ने कहा कि केंद्र ने इसका प्रस्ताव तैयार किया अैर उस पर आरबीआई की राय मांगी गई और केंद्रीय बैंक द्वारा दिए ऐसे सुझाव को आरबीआई अधिनियम की धारा 26(2) के तहत सिफारिश" नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि संसद को अक्सर देश का प्रतिबिंब माना जाता है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, " यह लोकतंत्र का आधार है। संसद देश के लोगों का प्रतिनिधित्व करती है और उनकी आवाज उठाती है। संसद के बिना लोकतंत्र फल–फूल नहीं सकता। संसद जो कि लोकतंत्र का केंद्र है उसे ऐसे महत्वपूर्ण मामले में अलग नहीं रखा जा सकता।"

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने अल्पमत फैसले में कहा कि 500 और 1000 की श्रृंखला वाले नोट को बंद करने का फैसला गलत और गैरकानूनी था। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने केंद्र सरकार के 2016 में 500 और 1000 रुपये की श्रृंखला वाले नोटों को बंद करने के फैसले को सोमवार को 4रू1 के बहुमत के साथ सही ठहराते हुए कहा था कि नोटबंदी का फैसला लेने की प्रक्रिया में कोई खामी नहीं थी। शीर्ष अदालत केंद्र के नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली 58 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

रविशंकर प्रसाद बोलेः SC ने नोटबंदी को बताया सही, कांग्रेस बेवजह कर रही थी हंगामा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने केंद्र सरकार के 2016 में 500 और 1000 रुपये की श्रृंखला वाले नोटों को बंद करने के फैसले को सोमवार को 4:1 के बहुमत के साथ सही ठहराया। हालांकि, कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ही आधार बनाकर भाजपा पर निशाना साध रही है। इस सब के बीच भाजपा की ओर से विपक्षी दल पर पलटवार किया गया है। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का आज एक बहुत ही महत्वपूर्ण फैसला आया है। उन्होंने कहा कि 2016 में मोदी सरकार के ऐतिहासिक फैसले, जिसमें 500 और 1,000 के नोटों को जो डिमोनेटाइज किया था, उसकी वैधानिकता को चुनौती देने वाली सारी याचिकाओं को कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया है। भाजपा सांसद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने नोटबंदी को वैधानिकता को चुनौती देने वाली 58 याचिकाओं को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने भी इस पर हंगामा खड़ा किया था। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि नोटबंदी के अगले साल ही टैक्स कलेक्शन में 18: की वृद्धि हुई थी और 2.38 लाख शेल कंपनियां भी पकड़ी गई थीं।

कांग्रेस का वार

पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय के फैसले के तुरंत बाद कहा कि "अल्पमत" के फैसले ने नोटबंदी में 'अवैधता' और 'अनियमितताओं' की ओर इशारा किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने एक ट्वीट में कहा कि एक बार माननीय उच्चतम न्यायालय ने कानून घोषित कर दिया है, तो हमें इसे स्वीकार करना ही होता है। हालांकि, यह इंगित करना आवश्यक है कि बहुमत ने निर्णय की बुद्धिमता को बरकरार नहीं रखा है, और न ही बहुमत ने यह निष्कर्ष निकाला है कि बताए गए उद्देश्य हासिल किए गए।

फायरिंग पर बोलीं महबूबा मुफ्ती, गांधी–नेहरू ने सेक्युलर देश बनाया, अब इसे गोडसे का मुल्क बना रहे

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के राजौरी में हाल में ही आतंकवादी घटना देखने को मिली। आतंकवादियों ने हिंदुओं को निशाना बनाने की कोशिश की है। इस आतंकी घटना में रविवार को फायरिंग हुई जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई। इसके ठीक 1 दिन बाद डांगरी गांव में आतंकवादी हमले में एक बच्चे की भी मौत हो गई। अब इसको राजनीतिक मुद्दा बनाया जा रहा है। जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने अपने बयान में कहा कि यह एक दिल दहला देने वाली घटना है और परिवारों के लिए बड़ी क्षति है। भगवान उन्हें शक्ति दे। इसके साथ ही उन्होंने बिना नाम लिए भाजपा पर निशाना साधा। महबूबा ने कहा कि ऐसे मामलों में एक समूह को हिंदू और मुस्लिम कथाओं से लाभ होता है, उन्हें देश में नफरत फैलाने का मौका मिलता है। महबूबा मुफ्ती ने आगे कहा कि महात्मा गांधी और जवाहर

लाल नेहरू ने इसे सेक्युलर देश बनाया। यह और बात है कि इसे गोडसे का मुल्क बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां मुसलमान रोज ही मरते हैं लेकिन जहां हमारे हिंदू भाई मरते हैं उसका फायदा एक खुसुसी जमात उठाती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कश्मीर सहित भारत एक धर्मनिरपेक्ष जगह है लेकिन यह अलग बात है कि इसे अब गोडसे का राष्ट्र बनाया जा रहा है। आपको बता दें कि डांगरी गांव में आतंकवादी हमले के पीड़ितों में से एक के घर के पास सोमवार को एक आईईडी विस्फोट में चार साल के एक बच्चे की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। राजौरी जिले के एक गांव में रविवार की शाम संदिग्ध आतंकवादियों ने एक समुदाय विशेष के लोगों के तीन मकानों पर गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि घटना में चार लोग मारे गए हैं, जबकि छह अन्य घायल हो गए हैं। जम्मू–कश्मीर की इसी घटना पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ये बहुत दुख की बात है कि आतंकवाद अभी भी इस रियासत में चल रहा है। बेगुनाहों को मारा जा रहा है। पूरे देश में जिस तरह की नफरत फैलाई जा रही है, ये उसी का नतीजा है। उन्होंने कहा कि आज मुसलमान को अलग और हिंदुओं को अलग खड़ा किया जा रहा है। कौन जिम्मेदार है? कौन नफरत फैला रहा है?... इस पर गृह मंत्रालय में रास्ता निकालने कि जरूरत है।

देश में Unemployment दर दिसंबर में बढ़कर 8.3 प्रतिशत पर, हरियाणा में सबसे ऊंची : सीएमआईई

मुंबई। देश में बेरोजगारी की दर दिसंबर, 2022 में बढ़कर 8.3 प्रतिशत के उच्चस्तर पर पहुंच गई है। यह 2022 में बेरोजगारी दर का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के मुताबिक,नवंबर में बेरोजगारी की दर आठ प्रतिशत थी, जबकि सितंबर में यह सबसे कम 6.43 प्रतिशत थी। वहीं अगस्त में यह 8.28 प्रतिशत पर थी, जो इस साल का दूसरा सबसे ऊंचा आंकड़ा है। दिसंबर में शहरी बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत थी। वहीं ग्रामीण बेरोजगारी दर 7.5 प्रतिशत थी। राज्यों की बात करें, तो दिसंबर

में सबसे ऊंची 37.4 प्रतिशत की बेरोजगारी दर हरियाणा में थी। उसके बाद राजस्थान (28.5 प्रतिशत), दिल्ली (20.8 प्रतिशत), बिहार(19.1 प्रतिशत) और झारखंड (18 प्रतिशत) का नंबर आता है। टीमलीज सर्विसेज की सह–संस्थापक और कार्यकारी उपाध्यक्ष रितुपर्णा चक्रवर्ती ने आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए कहा कि सीएमआईई बेरोजगारी रिपोर्ट बुरी और अच्छी खबर का एक 'दिलचस्प गुलदस्ता' है। उन्होंने कहा कि जन्म दर और मृत्यु दर और आर्थिक समृद्धि के प्रमुख संकेतकों को देखते हुए भारत के लिए चिंताजनक संभावनाओं में से एक तथ्य यह है कि श्रमबल में हमारी वृद्धि धीमी हो सकती है। कुछ ऐसा ही चीन या यूरोप और अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं में हुआ है। चक्रवर्ती ने कहा कि जनसांख्यिकीय लाभ निकट भविष्य में संभवतरू अपने अंतिम सिरे पर पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि संगठित क्षेत्र में रोजगार सृजन कितना जरूरी है, तभी हम रोजगार बाजार में समावेशन सुनिश्चित कर सकते हैं। सीआईईएल एचआर सर्विसेज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि दिसंबर में नए रोजगार के कोई उल्लेखनीय अवसर नहीं बने।

उन्होंने कहा, "सितंबर–दिसंबर के दौरान त्योहारी सीजन की वजह से उपभोक्ता सामान, वाहन और वित्तीय सेवा क्षेत्र में रोजगार के काफी अवसर बने। इनके लिए नियुक्तियां अगस्त–सितंबर में की गईं। मुद्रास्फीतिक दबाव की वजह से निर्माण, इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर नहीं बढ़ पाए हैं।

यूक्रेन में रूसियों ने क्या किया... राहुल गांधी बोले– चीनी जानते हैं हम आंतरिक मामलों में उलझे

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अभिनेता–राजनेता कमल हासन के साथ बातचीत में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण और भारत और चीन के बीच सीमा विवाद के बीच समानताएं बताईं। राहुल गांधी ने ककहा है कि देखो, हम यह स्वीकार नहीं करेंगे कि यूक्रेन के पश्चिम के साथ मजबूत संबंध हैं। ठीक यही सिद्धांत भारत में भी लागू किया जा सकता है। चीनी हमसे जो कह रहे हैं हम लद्दाख में प्रवेश करेंगे, हम अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करेंगे, इससे हम आपका भूगोल बदल देंगे। कांग्रेस नेता ने कमल हासन से अपने यूट्यूब चौनल पर पोस्ट की गई बातचीत में कही। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने यह भी कहा कि वह चीन को ष्उस प्रकार के दृष्टिकोणष् के लिए एक मंच बनाते हुए देख सकते हैं। चीनी घुसपैठ पर राहुल गांधी ने कहा कि सेना ने साफ कहा है कि वे हमारे क्षेत्र में बैठे हैं लेकिन पीएम मोदी ने कहा है कि कोई नहीं आया है।

दिल्ली में हैवानियत की इंतहा करने वाले आरोपी तीन दिन की पुलिस रिमांड पर

नई दिल्ली। दिल्ली में हुए कंझावला कांड में सभी आरोपियों को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। दिल्ली पुलिस ने सभी आरोपियों को दो जनवरी को अदालत में पेश किया। यहां पुलिस ने सभी आरोपियों की पांच दिन की पुलिस रिमांड मांगी थी। इस मामले में दिल्ली पुलिस लगातार जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों और एक्सीडेंट में उपयोग हुई गाड़ी को जब्त कर लिया है। जानकारी के मुताबिक 31 दिसंबर–एक जनवरी की रात

को स्कूटी पर जा रही युवती को गाड़ी से दरिंदों ने जोरदार टक्कर मारी। इसके बाद आरोपी मृतक युवती को कई किलोमीटर तक घसीटते रहे। युवती कई किलोमीटर तक घसीटने से युवती की मौत हो गई। इस मामले में एफएसएल की टीम भी स्पॉट पर जा रही है। सुल्तानपुरी के कृष्ण विहार में ये एक्सीडेंट हुआ था। दिल्ली पुलिस ने इस जगह का दौरा भी किया है। इससे पहले आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना के दफ्तर का घेराव भी किया। आप कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर मांग की कि मृतक युवती को इंसाफ मिले। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने उपराज्यपाल को बर्खास्त करने की मांग की है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज का आरोप, कंझावला कांड का एक आरोपी भाजपा का सदस्य

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को आरोप लगाया कि कंझावला–सुल्तानपुरी कांड में गिरफ्तार पांच आरोपियों में से एक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

का सदस्य मनोज मित्तल है और उसकी तस्वीर वाला एक होर्डिंग उस स्थानीय थाने के बाहर लगा है, जहां वह और उसके दोस्त बंद हैं। कंझावला में 20 वर्षीय एक युवती की स्कूटी को एक कार ने टक्कर मार दी और युवती को सुल्तानपुरी से कंझावाला तक करीब चार किलोमीटर घसीटते हुई ले गई। रविवार को हुए हादसे में युवती की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि युवती के शरीर पर कपड़े नहीं थे। उन्होंने कहा कि पुलिस इस बात की जांच करे कि उसके साथ बलात्कार किया गया था या नहीं। भाजपा की दिल्ली इकाई के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख हरीश खुराना ने कहा कि पुलिस ने पहले ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों। भारद्वाज ने सोमवार को एक वीडियो भी जारी किया जिसमें कथित तौर पर सुल्तानपुरी थाने के बाहर मित्तल का होर्डिंग लगा हुआ नजर आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, " पुलिस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है क्योंकि दोषियों में से एक भाजपा का सदस्य है।

ममता बनर्जी ने शुरू किया 'दिदीर सुरक्षा कवच' अभियान, बोलीं– 'राम–वाम' अब एक हो गए हैं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस का नया अभियान "दीदीर सुरक्षा कवच" शुरू किया। पंचायत चुनाव के मद्देनजर तृणमूल कांग्रेस के लिए या काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी भी मौजूद रहे। अभिषेक बनर्जी ने बताया कि पार्टी 11 जनवरी को सात दिवसीय अभियान शुरू करेगी। वहीं, ममता बनर्जी ने पार्टी कार्यक्रम में कहा 'दीदीर सुरक्षा कवच' कार्यक्रम के तहत तृणमूल कांग्रेस के 3.5 लाख कार्यकर्ता बंगाल के 10 करोड़ लोगों तक पहुंचेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पूरे भारत में

टीएमसी सरकार के खिलाफ बेबुनियाद अफवाहें फैलाई गईं।

भाजपा पर हमला करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की विचारधारा आपको अकेला महसूस कराती है, लोगों में फर्क करती है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि आपको विनम्रता से लोगों की बात सुननी होगी। उन्होंने कहा कि देश में एकता, संघीय ढांचे को मजबूत करना चाहती हूं। बंगाल की राजनीति पर ममता बनर्जी ने कहा ने कहा कि 'राम–वाम' अब एक हो गए हैं। ममता का राम से मतलब भाजपा से था जबकि वाम उन्होंने वामपंथी नेताओं के लिए इस्तेमाल किया। बंगाल की राजनीति पर वामपंथ का बोलबाला रहा है। राज्य सरकार के जनसंपर्क कार्यक्रम दुआरे सरकार (द्वार पर सरकार) की तरह इस नए अभियान का उद्देश्य लोगों को पार्टी से जोड़ना है। ममता बनर्जी ने कहा, "लगभग साढ़े तीन लाख पार्टी कार्यकर्ता राज्य के लगभग 10 करोड़ लोगों के बीच पहुंचेंगे। राज्य सरकार का दुआरे सरकार अभियान जारी रहेगा।" एक जनवरी को टीएमसी की स्थापना के 25 साल पूरे होने पर बनर्जी ने कहा था कि पार्टी का लक्ष्य "एकजुट भारत और एक मजबूत संघीय ढांचा" बनाना है।

भारत जोड़ो यात्रा में बलरामपुर से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता रवाना

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। भारत जोड़ो यात्रा के गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में

प्रवेश व स्वागत के लिए जनपद बलरामपुर से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जत्था 2 जनवरी को रवाना हो गया यह जत्था 3 जनवरी को सुबह गाजियाबाद पहुंचेगी यात्रा में पूर्व विधायक और कांग्रेस के महासचिव धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू पार्टी के जिला अध्यक्ष अनुज कुमार सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख शिवलाल पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राज बहादुर यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य सियाराम प्रधान, दद्दू सिंह, भानु प्रधान, बृजभान गुप्ता, घनश्याम मिश्र, नंदे यादव, गया प्रसाद पांडे, लोकनाथ, हरीश कुमार, अजय मिश्रा, बृजेश कुमार चौहान, रोहित मिश्रा, परवेज खान, धर्मेंद्र मिश्रा, अमेरिका प्रसाद, कुरील मोहम्मद, जमील, इजहार हुसैन, चंद्रशेखर, आसिफ खान, राम बहादुर, विश्वनाथ यादव आदि।

घाटी मेहंदीपुर बालाजी की शोभायात्रा निकली गई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

तुलसीपुर,बलरामपुर। घाटी मेहंदीपुर बालाजी की शोभा यात्रा

नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए गायत्री शक्ति पीठ का समापन किया। राम जानकी मंदिर नई बाजार मैं अखंड पाठ आरंभ हुआ शोभा यात्रा के प्रारंभ में देवी मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी ने पूजा अर्चन किया तथा शोभा यात्रा को झंडा दिखाकर शुभारंभ किया इस अवसर पर तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे शोभायात्रा में तमाम श्रद्धालुओं में बच्चे और महिलाएं ज्यादा दिखीं वही हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। 3 तारीख को झांकी सजाई जाएगी तथा 4 तारीख को विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया है।

निःशुल्क एंबुलेंस का किया गया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। शोर दिवस साथ आजाद समाज पार्टी के निशुल्क चिकित्सा सेवा हेतु एंबुलेंस का उत्घाटन हुआ जिसने मुख अतिथि मोहमद आबिद प्रदेश महा सचिवकमलेश सचान मोहमद अकरम जोनल प्रभारी मोहमह आबिद मण्डल अध्यक्ष पुजारी बौद्ध जिला अध्यक्ष एडवुकेट विनोद कुमार सोनकर एवम भीम आर्मी जिला अध्यक्ष लंकेश लालजी लहरी सैकड़ों साथीआजाद समाज पार्टी का वा भीम आर्मी के भी मौजूद रहे कार्यकर्ताओं के उत्साह को मजबूती देने के लिए चंद्रशेखर आजाद रावण ने वीडियो काल के मध्यम से करकर्ताओ से बात किया मेरी आप लोगो से यही अपील है कि बहुजन समाज को मजबूत करनेके लिए आप लोग आजाद समाज पार्टी से जुड़े हुए चंद्रशेखर आजाद रावण के हाथ को मजबूत करे मण्डल अध्यक्ष देवी पाटन मोहम्मद आबिद, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहें।

वृद्धजन सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। वृद्धजन सम्मान समारोह कार्यक्रम विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, विधायक डुमरियागंज सैय्यदा खातून, जिलाधिकारी संजीव रंजन, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में लोहिया कलाभवन में सम्पन्न हुआ। वृद्धजन सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 विनोद कुमार अग्रवाल द्वारा जनप्रतिनिधियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। विधायक बांसी जय प्रताप सिंह ने कहा कि भारत सरकारध्उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वृद्धजन के लिए बहुत सी जनकल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही है। निश्चित समय पर जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर निःशुल्क जांच की जाती है। जांच के उपरान्त निःशुल्क दवायें, चश्मा दिया जाता है। वृद्धजन सम्मान समारोह कार्यक्रम में विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा चलायी जा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओ का लाभ दिया जा रहा है। सरकार द्वारा वृद्धजनों के हितार्थ अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही है। वृद्धजन को पेंशन दिया जा रहा है। विधायक डुमरियागंज सैय्यदा खातून ने कहा कि हम सभी को वृद्धजनों का सम्मान करना चाहिए। हमारी युवा पीढ़ी को वृद्धों की सेवा करना चाहिए। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने दूर–दराज से आये हुए वृद्धजनो को नववर्ष की शुभकानायें दी। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलायी जा रही है। वृद्धावस्था पेंशन दिया जा रहा है। इनके स्वास्थ्य के प्रति जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर अलग से काउन्टर बनाये गये है जिससे वृद्धजनो को किसी प्रकार परेशानी न हो। इस अवसर पर वृद्धजनों में कम्बल का वितरण किया है। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि राजेन्द्र पाण्डेय, डा0 समीर सिंह, मान बहादुर, प्रत्यूष तथा अन्य संबधित कर्मचारी व दूर–दराज से आये वृद्धजन उपस्थित थे।

गरीबों में कंबल वितरण करना पुनीत कार्यःसांसद जगदम्बिका पाल

ग्रामीण बुजुर्ग महिला को कंबल उढ़ाते सांसद जगदम्बिका पाल,साथ में प्रधान पंकज चौबे

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु,सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ ब्लाक के अलीदापुर ग्राम सभा के उच्च प्राथमिक कंपोजिट विद्यालय गौरा बाजार के प्रांगण में रविवार देर शाम प्रधान पंकज चौबे ने शिविर लगा सांसद जगदंबिका पाल के हाथो चार सौ कंबल का वितरण कराया। नव वर्ष के उपलक्ष्य में प्रधान ने नई पहल की सोच बनाते हुए गरीब असहाय लोगों में कंबल वितरण करा नव वर्ष मनाया। कार्यक्रम में पहुंचे सांसद को प्रधान संघ जिला अध्यक्ष पवन मिश्रा, प्रधान अलीदापुर, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष लालजी त्रिपाठी उर्फ पीढ़ा बाबा ने पुष्प गुक्ष देकर माल्यार्पण किया। इस दौरान सांसद ने प्रधान द्वारा लगाए गए शिविर की सराहना करते हुए कहा, इस कपकपी भरी ठंढ में गरीब लोगो को ठंढ से बचाने की अच्छी पहल है। इतनी बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते है। आगे उन्होंने कहा की हमारी सरकार गरीबों, शोषितों, किसानों की मदद कर रही है। विधवा, वृद्धा, किसान सम्मान निधि, युवाओं छात्रों को स्मार्ट फोन देकर शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। गरीबों के कच्चे मकान को प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पक्के कराए जा रहें। इस सरकार में युवा से लेकर किसान, मजदूर सभी खुशहाल हैं। इस दौरान प्रधानाध्यापक अवधेश कुमार, अभय यादव, सांसद मीडिया प्रभारी मनोज बाबा, शिव कुमार, विनोद, ओमप्रकाश, चिनकी, दिनेश, हरि किशुन वर्मा, संजय, चंद्रिका श्रीवास्तव, सहित सभी प्रतिनिधि ग्रामीण मौजूद रहे।

सामुदायिक शौचालय में आठ महीने से लटक रहा है ताला

ग्राम पंचायत टिकरिया के सामुदायिक शौचालय में लगा आठ महीने से ताला

रवि जायसवाल/दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया,सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत टिकरिया में बनाए

गए सामुदायिक शौचालय में ताला लटक रहा है। यहां स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत गांव को ओडीएफ का नारा बेमानी साबित हो रहा है, जबकि इसे संचालित करने के लिए केयरटेकर की तैनाती भी की गई है। साल 2019–20 में स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत ग्राम पंचायत टिकरिया में प्राथमिक विद्यालय के सामने सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया। गांव निवासी विमलेश यादव, सूरज श्रीवास्तव, प्रदीप साहनी, सुग्रीव यादव, संजय श्रीवास्तव आदि ने बताया कि जब से सामुदायिक शौचालय बना है, उसके बाद ताला ही लटक रहा है। इस संबंध में केयरटेकर रेखा ने बताया कि उसकी तबीयत खराब है। वहीं, एडीओ पंचायत ओमप्रकाश ने कहा यह गंभीर विषय है। इस बारे में पता कराया जाएगा। बताते चलें जोगिया ब्लाक के विभाग नहीं दे रहे ध्यान एक तरफ सरकार जागरूक करने में लगा है एक तरफ सरकार को बदनाम करने में लगे हैं विभाग।

नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मदरहवा में हुआ पहला प्रसव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

तुलसीपुर,बलरामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैसड़ी के अंतर्गत नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मदरहवा संचालित होते ही पहले दिन नवनिर्मित अस्पताल में 1 जनवरी 2023 को सीएचसी अधीक्षक डॉ अरविंद कुमार, स्टाफ नर्स पूजा गुप्ता, गीता देवी व आशा सुमन देवी के अथक प्रयास से संस्थागत प्रसव कराया गया। संस्थागत प्रसव की खबर सुनकर घर के परिजन खुशियों में झूम उठे परिजन बच्चे के पिता शिवप्रसाद यादव बेनीनगर ने बताया कि हमारी पत्नी गुड़िया देवी आयु करीब 28 साल को कुशल संस्थागत प्रसव हुआ है। क्षेत्र वासियों के लिए सुखदाई है सभी क्षेत्रवासियों से परिजनों ने भी अपील किया कि यहां के कर्मचारी अपने जिम्मेदारी के प्रति हमेशा तत्पर रहते हैं लोगों का प्रयास सफल रहा जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

सीएचसी अधीक्षक डॉ अरविंद कुमार ने बताया कि समुचित उपचार की गई है 2 घंटे तक मरीज को बेड रेस्ट कराया गया और उसके तत्पश्चात समय करीब 5.40 पर बच्चा पैदा हुआ। जिसका वजन 2 किलो 800 ग्राम है मरीजों के इलाज के लिए स्वास्थ विभाग के कर्मचारियों को अनवरत लगा दिया गया है जो तीमारदार मरीजों का समुचित इलाज करेंगे सीएससी अधीक्षक ने स्वास्थ्य कर्मचारियों को व क्षेत्र वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं भी दी।

युवा समाजसेवी रामपाल यादव ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मदरहवा संचालित होने पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि अब लोगों इलाज के लिए इधर उधर नही भटकना पड़ेगा अस्पताल संचालन होने से क्षेत्र के मदरहवा, कुड़वा, भोजपुर चौराहा, झौव्वा, बेलहसा, सुस्ता, जमुवरिया, जिगनिहवा, पिपरी, भदुई, कन्हईडीह, मानपुर, रतनपुर, चिवटिहवा, धोबहा, बेनीनगर त्रिलोकपुर, सहित दर्जनों गांवों के लोगों को चिकित्सा सुविधा मिलेगी।

जयंती पर गुरूद्वारे पर भजन कीर्तन व लंगर का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। छावनी क्षेत्र के ऐतिहासिक गुरुद्वारा गुरू तेगबहाहुर कालोनी ग्राम रेड़वल में रविवार को देर शाम श्रद्धा भाव से गुरूद्वारे पर गुरु गोबिंद सिंह के जयंती के उपलक्ष्य में भजन, कीर्तन, अरदास व लंगर का आयोजन हुआ जत्थेदार बाबा मोहन सिंह ने कहा गुरू गोविन्द्र सिंह अपने कर्तव्यों को पालन करते हुये खालसा पंथ की स्थापना किया उन्हें सिखों का 10वां गुरु माना जाता है सिक्ख समाज व अन्य आये हुये लोग गुरुद्वारों में सिख संगत एवं आम जनमानस स्वयं को गुरु के चरणों में अर्पित कर माथा टेकने के साथ सबद भजन कीर्तन में लोग तल्लीन रहे तथा कीर्तन का आनंद लिया श्रद्धासुमन अर्पित कर अखंड पाठ के उपरांत देर रात तक लंगर का आयोजन हुआ गुरूद्घारे में कीर्तन दरबार में कीर्तनी जत्था हर भजन सिंह, हर करन सिंह एवं भगत सिंह ने किया जत्था ने जपीओ जिन गुरु फिर संकट जोन गर्भ न आईओ, सबद–भजन श्रवण करा कर संगत का मन जीत लिया सारा वातावरण बोले सो निहाल सत अकाल के जयघोष से गुंजायमान हो गया तथा भजन कीर्तन के बाद आये हुये लोगो ने लंगर में प्रसाद गृहण किया इस अवसर पर, प्रदीप सिंह, मनोज, राम सिंह, सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

जनपद के 14 ब्लॉकों में मनाया गया सांसद जगदंबिका पाल का जन्मदिन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल का जन्म दिवस हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 जनवरी को जनपद के 14 ब्लॉकों में धूमधाम से मनाया गया आपको बता दें कि हर वर्ष जन्मदिन के अवसर पर जहां सांसद जगदंबिका पाल भी अपने लोकसभा के निवासियों के साथ मनाते हैं तो वही जनपद के भी युवा एवं बुद्धिजीवी वर्ग उनका जन्मदिन धूमधाम से मनाता है सोमवार को आयोजित जन्मदिन में जहां सांसद जगदंबिका पाल ने अपनी शुरुआत जिला मुख्यालय आवास से किया तो वही उनके समर्थक वहां भी केक और मिठाई लेकर पहुंच गए इसी तरीके से जोगिया उदयपुर में सांसद प्रतिनिधि रवि जायसवाल ने केक काटकर सांसद को खिलाया तो वही डुमरियागंज, इटवा, बासी, उसका, लोटन, बढ़नी, चिल्लिहया, शोहरतगढ़ आदि जगहों पर भी समर्थको द्वारा केक खिलाकर

एक–दूसरे के साथ मिलकर सांसद जगदंबिका पाल का जन्मदिन मनाया सांसद ने इस अवसर पर कहा कि मेरा लोकसभा ही मेरा परिवार है लोकसभा के प्रत्येक नागरिक मेरे दिल में बसते हैं आज जो प्यार और सम्मान जनपद वासियों के द्वारा मुझे दिया जा रहा है निश्चित उसका कर्जदार मैं जीवन भर रहूंगा उन्होंने सभी बुजुर्गों से आशीर्वाद लेते हुए युवाओं के साथ बढ़–चढ़कर के काटा आपको बता दें कि अभी कुछ दिन पहले ही सांसद जगदंबिका पाल ने जनपद के सभी पत्रकारों के साथ जिला मुख्यालय के पर नया वर्ष की शुरुआत की थी जनता द्वारा दिए जा रहे इस अपार प्रेम और स्नेह को देखकर जहां सांसद जगदंबिका पाल की आंखें छलकती नजर आई वहीं लोगों से मिलकर हाल–चाल लेकर उनका समाधान करवाते भी सांसद जगदंबिका पाल नजर आए सांसद के जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न जगहों पर कंबल वितरण जैसे कार्यक्रम भी रखे गए थे जिसमें जनपद वासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है साथ ही सांसद के दीर्घायु की कामना भी लोगों ने दिल से किया है।

गौ सेवा हर सनातनी का पहला धर्म होना चाहिएः राघवेन्द्र प्रताप सिंह

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ब्लॉक सभागार में पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में जन सहयोग से संचालित पशु आहार बैंक का शुभारंभ फीता काटकर किया गया। इस दौरान राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि आज के परिवेश में हर सनातनी गौ माता की सेवा करने की लालसा अपने दिल में रखता है परंतु इस दौड़ भाग की जिंदगी में चाहते हुए भी गौ सेवा नही कर पाता यह मुझ पर भी लागू होता है, मेरे जैसे लाखों सनातनियों के भावनाओं को देखते हुए जन सहयोग से डुमरियागंज ब्लाक में पशु आहार बैंक खोला गया हैं। उन्होंने आह्वान किया कि गौ सेवा के संकल्प को साकार करने हेतु सभी को बढ़ चढ़ कर आगे आना चाहिए और आप सभी के गोवंश के प्रति समर्पण का ही यह उदाहरण हैं कि जन सहयोग से इस आहार बैंक में 80 पैकेट पशु आहार गौ सेवकों द्वारा दान किया गया हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश का पहला जन सहयोग से पशु आहार बैंक की स्थापना डुमरियागंज विधानसभा में किया गया हैं, जिसमें एकत्रित हुए पशु आहार को विधानसभा के सभी गौशालाओं में आवश्यकता अनुसार समय समय पर भेजा जाएगा। इस दौरान उपजिलाधिकारी कुणाल, बाल विकास परियोजना अधिकारी अभय प्रताप सिंह ने इस कार्य की सराहना करते हुए बताया कि गौसेवा के लिए प्रदेश का पहला पशु आहार बैंक का उद्घाटन डुमरियागंज में हुआ है। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डुमरियागंज नरेन्द्र मणि त्रिपाठी, भनवापुर लवकुश ओझा, मिठवल डॉ० दशरथ चौधरी, प्रधान संघ अध्यक्ष डुमरियागंज दिलीप पाण्डेय उर्फ छोटे, भनवापुर लाल जी शुक्ला आदि ने भारतीय संस्कृति के पांच आधार स्तंभ की जानकारी दी। जिसमें उन्होंने बताया कि गंगा, गीता, गाय, गुरु और गायत्री भारतीय संस्कृति के 5 सूत्र हैं। जिसमें गंगा ज्ञान की धारा से जोड़ती है। गीता हमें कर्तव्य का बोध कराती है। वही गाय भारतीय संस्कृति में माता के रूप में प्रतिष्ठित है। गुरु अज्ञान रूपी अंधकार से निकालकर ज्ञान रूपी प्रकाश की और ले जाती हैं। वहीं गायत्री हमें सद्बुद्धि प्रदान करते हुए हमारे लिए श्रेष्ठ मार्ग प्रशस्त करती है। इस प्रकार गाय की सेवा से बढ़कर और कोई सेवा नहीं हो सकती इस कारण हर व्यक्ति को गो सेवा में जरूर अपना योगदान देना चाहिए और बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। हर व्यक्ति को किसी न किसी तरह गौ सेवा करना चाहिए, भले ही वह छोटे रूप में क्यों न हो। गो सेवा का पुण्य काफी बड़ा होता है। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी रमेशलाल श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान मधुसूदन अग्रहरि, अमरेंद्र त्रिपाठी, रमेशधर द्विवेदी, उदय शंकर श्रीवास्तव, विनय पाठक, राजीव कुमार, शत्रुहन सोनी, विनोद श्रीवास्तव, चंद्रभान अग्रहरि, अशोक अग्रहरि, रमेश सोनी, राजकुमार चौधरी, अंकित श्रीवास्तव आदि सहित भारी संख्या में समाजसेवी, प्रधानगण, क्षेत्र पंचायत सदस्य गण, भाजपा गण पदाधिकारी उपस्थित रहें।

शान्ति भंग के आरोप में 6 लोगों का किया चालान

तहरीर के आधार पर दोनों पक्षों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया मुकदमा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद की शोहरतगढ़ पुलिस ने शान्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए थानाक्षेत्र के नीबी दोहनी निवासी 6 लोगों के विरुद्ध 151ध्107ध्116 की कार्यवाही की है। इंसपेक्टर पंकज पाण्डेय ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा "अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान" के अन्तर्गत यह कार्यवाही की गई है। इस दौरान उ0नि0 सभाजीत मिश्रा, का0 रविप्रसाद गौड़, का0 शैलेष शर्मा आदि मौजूद रहे।

1 से 12 तक के स्कूल में हुआ 7 जनवरी तक छुट्टी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। अत्यधिक ठंड को देखते हुए जिला अधिकारी संजीव रंजन ने जनपद के सभी 1 से 12 तक के प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों में 7 जनवरी तक अवकाश कर दिया है। इस दौरान यदि किसी भी स्कूल के खुलने की सूचना प्राप्त होती है तो उस पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जाएगी विभिन्न शिक्षक संगठनों द्वारा लगातार बच्चों को ठंड से बचाने के लिए छुट्टी की मांग की जा रही थी। जिसे संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी ने सोमवार को 7 जनवरी तक छुट्टी का निर्णय ले लिया है।

अभिभावक बैठक का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी,सिद्धार्थनगर। स्थानीय क्षेत्र के कुल देवी नाथ पब्लिक स्कूल में अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अर्धवार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय अंक पाने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। अपने बच्चों को पुरस्कृत होने पर अभिभावकों में प्रसन्नता की झलक दिखाई देता नजर आया और सभी नें ताली बजाकर बच्चों का उत्साह वर्धन किया। चित्र परिचय। बच्चों को पुरस्कार प्रदान करते विद्यालय के प्रबंधक अखिलेश्वर नाथ त्रिपाठी।

हर घर कैलेंडर जनसंपर्क अभियान कर रहे राकेश दत्त त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। नया वर्ष 2023 में जहां हर कोई अपनी खुशियां अलग तरह से मना रहा है वहीं नगर पालिका परिषद के भाजपा

के भावी अध्यक्ष पद के प्रत्याशी प्रियंका त्रिपाठी पति राकेश दत्त त्रिपाठी भी अपना नया वर्ष अलग तरीके से ही मनाते हुए नजर आ रहे हैं। उनका यह अलग तरीका सभी को पसंद आ रहा है प्रियंका त्रिपाठी पत्नी राकेश दत्त त्रिपाठी जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत सभी घरों पर जाकर कैलेंडर देते हुए समर्थन मांगते नजर आ रहे हैं। उनके साथ जहां महिला बिग्रेड है तो वहीं युवाओं की फौज भी चल रही है। राकेश दत्त त्रिपाठी ने कहा कि नए वर्ष पर प्रत्येक नेतृत्व कर्ताओं की जिम्मेदारी बनती है कि अपने क्षेत्र में सभी के साथ नए वर्ष की खुशियां मनाएं उसी के अंतर्गत हर घर कैलेंडर के तहत मिलकर सभी को नववर्ष की बधाई दी जा रही है। साथ ही उनके किसी भी समस्या के समाधान के लिए प्रयास किया जा रहा है। रविवार और सोमवार को जहां कड़ाके की ठंड में लोग अपने घरों में थे वही प्रियंका त्रिपाठी पत्नी राकेश दत्त त्रिपाठी अनगिनत समर्थकों के साथ नगर पालिका परिषद के सभी वार्डों में जा जाकर नए वर्ष की बधाई एवं हर घर कैलेंडर देते नजर आ रहे हैं।

समता मूलक समाज रचना के पक्षधर थे बाबा साहब भीमराव अम्बेडकरःसुरेश यादव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उस्का बाजार,सिद्धाथर्नगर। बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर ने जिस सामाजिक व्यवस्था के विरूद्ध संघर्ष किया वह समाज के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने धर्म, जाति, वर्ग और भेद–भाव के आडम्बरों से ऊपर उठकर समाज में समता और समरसता को स्थापित करने का जीवन पर्यन्त प्रयास किया।जिसके फलीभूत परिणाम के रूप में आज देश में दलित के नाम से ख्यातिलब्ध और आथिर्क ,सामाजिक व राजनैतिक रूप से वंचित समुदाय को भी समानता के अधिकार के साथ हर क्षेत्र में भागीदारी निभाने के अवसर मिल रहा है।उपरोक्त आशय का विचार नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश यादव ने व्यक्त किया।वह सोमवार को स्थानीय नगर क्षेत्र के अम्बेडकर नगर वार्ड में नवस्थापित डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा के अनावरण समारोह को बतौर मुख्यवक्ता मंच से संबोधित कर रहे थे। गौरतलब है कि इसके पहले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षक चन्द्रभान पहलवान और नगर पंचायत अध्यक्षा पुनीता यादव, सुरेश यादव, मनोज गौतम, राजू यादव, अयोध्या साहू, जीतू वरुण, अजीत, सुनील, ब्रम्हदेव यादव, संजय पासवान, राजकुमार आदि दर्जनो लोगो ने बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर और भगवान बुद्ध के चित्र पर पुष्प माल्यार्पण और पूजा अर्चना करते हुए नमन किया। तत्पश्चात भंते शुभसागर द्वारा महात्मा बुद्ध की तिरसरण और पंचशील का वाचन समुदाय को कराते हुए ,उनके बताये गए रास्ते का अनुसरण करने का संकल्प दोहराया।

इसी कड़ी में बाबा साहब की नवनिर्मित आदमकद प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षक चन्द्रभान पहलवान तथा नपं अध्यक्षा पुनीता यादव द्वारा बाबा साहब के नाम के जयघोष के साथ बुद्धम शरणम गच्छामि, संघम शरणम गच्छामि व धम्म शरणम गच्छामि के साथ करते हुए बाबा साहब के संदेश और सिद्धान्त को आज भी प्रासंगिक बताया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश यादव ने संबोधित करते हुए डॉ0 अम्बेडकर को दलितों और समाज के वंचित तबके का सच्चा मसीहा बताया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर वास्तव में समतामूलक समाज रचना के पक्षधर थे। जिन्होंने युगों–युगों से व्याप्त, सामाजिक, आथिर्क, राजनैतिक विसमता की खाई पाटने का प्रयास किया। सही मायने में बाबा साहब जाति–पाति, ऊँच–नीच, भेद–भाव से ऊपर उठ कर समाज में समता, समरसता व आपसी सौहाद्र स्थापना का सराहनीय कार्य किया। कार्यक्रम की अध्यक्षताता कर रहे अखिल भारतीय बौद्ध महासभा के मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद बौद्ध, संचालक अधिवक्ता राजेश यादव और दलित चिन्तक व साहित्यकार आनन्द कुमार सुमन आदि ने भी संबोधित करते हुए बाबा साहब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर सविस्तार प्रकाश डाला और उन्हें समाज के वंचितों व पिछडो के हितों का सजग चितेरा बताया। इस मौके पर अमिताभ सागर, कोमल, प्रेम लोकनायक, कमलेश, संतोष श्रीवास्तव, दिनेश, जीतेन्द्र, मोहम्मद जमील, पवन, रामपाल, लवकुश, संजय, राधेश्याम यादव आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

ग्राम रोजगार सेवक के सेवा समाप्ति की मांग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी,सिद्धार्थनगर। खेसरहा विकास क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडरुपुर के ग्राम रोजगार सेवक पर ग्राम पंचायत द्वारा ही कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से संबंधित कार्य कराने के लिए पद का दुरूपयोग कर ग्रामीणों से अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए ग्राम पंचायत ने रोजगार सेवक के सेवा समाप्ति हेतु नियमानुसार कार्यवाही करने की संस्तुति करते हुए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा है। उपरोक्त बावत ग्राम पंचायत ने उच्चाधिकारियों को प्रेषित पत्र में स्पष्ट किया है कि ग्रामीणों से रोजगार सेवक ललित कुमार की निरंतर मिल रही शिकायतों के सत्यापन में ग्राम पंचायत ने ग्राम सभा के मनरेगा मजदूरों से पद का दुरूपयोग करके मजदूरी हड़पने, मनरेगा कार्यों में कमीशन मांगने, आधार कार्ड, राशन कार्ड, निर्वाचन कार्ड आदि बनवाने के नाम पर भी धनउगाही करने सहित पेंशन धारकों से भी पेंशन बन्द कराने की धौंस देकर अवैध वसूली करने संबंधित आरोप ग्राम पंचायत की जांच में पूर्णतः सही पाये गये।

एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर भाकियू का धरना समाप्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के मधवापुर गांव में विभिन्न

समस्याओं को लेकर भाकियू ने धरना प्रदर्शन किया है। भाकियू के जिला संरक्षक कपिल देव त्रिपाठी की अगुवाई में आयोजित धरने पर एसडीएम प्रदीप कुमार ने पहुँचकर भाकियू की समस्याओं को सुनी, दूर करने का आश्वासन दिया। भाकियू ने नौ सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। इसके बाद धरना प्रदर्शन समाप्त हुआ। भाकियू के जिला संरक्षक कपिल देव त्रिपाठी ने धरना को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रशासन व पुलिस भाकियू के समस्याओं को लगातार नजरअंदाज कर रही हैं। इससे संगठन के कार्यकर्ताओं में काफी रोष है। किसान छुट्टा पशु, खाद, सिंचाई आदि समस्याओं से परेशान है। शिकायत के बाद भी कोई समस्या दूर नही हो रही है। भाकियू के नौ सूत्रीय ज्ञापन में संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष रितुरा देवी को पट्टा में मिले पोखरे की मछली की सुरक्षा के लिए बने झोपड़ी को कुछ लोगो द्वारा बार बार उजाड़ दिया जा रहा हैं। इसकी शिकायत पुलिस में करने पर कोई सार्थक सुनवाई नही होना, बिजली के बिल की वसूली में नरमी व कनेक्शन न काटने की मांग, विरासत में लेखपालों द्वारा शीघ्रता करना, अलाव आदि बिंदु शामिल है। धरना में उपस्थित जनार्दन मिश्रा पूर्वांचल महाचिव, जगराम चौधरी प्रदेश संगठन मंत्री, शादिक किसान पूर्वांचल महासचिव, लक्ष्मण चौधरी, सुभाष किसान, सोभाराम, महेंद्र चौधरी, लक्ष्मण यादव, प्रदीप आदि किसान रहे मौजूद।

सम्पादकीय

हताशा से निपटने का दिखाना होगा हौसला

आज ज्यादातर अभिनेत्रियां स्वांतरू सुख के लिए अकेलेपन की निज रेखा अपने चारों ओर खींच रही हैं और निजता की ये परिधि इतनी ऊंची और मोटी है जिसके पार कोई झांक तो क्या पर भी नहीं मार सकता। मन में उठने वाली व्यथा और तकलीफ बांटने वाला कोई बचा नहीं क्योंकि हमने खुद को एकांतिक बना लिया है ...

पिछले कुछ दिनों से सिल्वर स्क्रीन एक अजीब दहशत से गुजर रहा है। छोटे पर्दे पर अपने अभिनय का जलवा बिखेरने वाले अभिनेता और हुस्न के जादू से दुनिया को चकाचौंध करने वाली टीवी अभिनेत्रियां आत्महंता बन पर्दे की चमक को फीका और मटमैला कर रहीं हैं।

तेलुगु अभिनेत्री अनुराधा हो या कन्नड़ एक्ट्रेस साई मादप्पा, साउथ इंडस्ट्री की दीपा या ससुराल सिमर फेम वैशाली ठक्कर, तुनिषा शर्मा या टीवी फेम प्रत्युषा बनर्जी, क्राइम पेट्रोल की प्रेक्षा मेहता या सीरियल श्दिल तो हैप्पी है जीच फेम सेजल, हताशा और निराशा ने एक–एक कर इन प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों को लील लिया है। क्या अवसाद का कोहरा इतना घना है कि जीने की चमक को धुंधला कर रहा है। महज बीस–पच्चीस साल की इन आदाकाराओं के अंतर्मन में हताशा और निराशा इतने गहरे कैसे धंस गई की वे जिंदगी की खूबसूरत लौ को स्वयं बुझा रही हैं। दूसरों के लिए योद्धा, रोल मॉडल और प्रेरक शक्ति बनने वाले युवा सितारों का मन कमजोर और आत्मविास अगर ढीला पड़ रहा है तो ये गहन मंथन और समाजिक चिंतन का विषय है।

राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार भारत में हर साल डेढ़ लाख लोग आत्महत्या करते हैं, जिसमें लगभाग तैंतीस प्रतिशत पारिवारिक और आर्थिक समस्याओं, सत्रह प्रतिशत बीमारी और सबसे अधिक आत्महत्याएं प्रेम प्रसंग और वैवाहिक समस्याओं के चलते हो रही हैं। हाल के दिनों में स्थितियां तेजी से बदली हैं और जीवन कागज की सस्ती रद्दी सी हो गई है। अवसाद, तनाव और अकेलेपन ने खिलखिलाती दुनिया को मायूसी के बंजर धरती में तब्दील कर दिया है।

सवाल है क्या रोमांच और उत्साह के साथ जीवन जीना वाकई इतना कठिन हो गया है। क्या हम बाहर से भरे और भीतर से खाली होते जा रहे हैं।

परिवार से विलगाव और अकेले रहने के उभरते चलन ने हमें भावनात्मक रूप से एकांगी बनाया है। इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं कि छद्म दिखावे, क्षणभंगुर शोहरत और भौतिक लालसा की अंधी दौड़ तेजी से हमारी नस्लों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राभावित कर रही है।

क्या हमारे समाजिक ताने–बाने को बदलने की जरूरत नहीं, जहां बिखराव और हताशा से निपटने की कोई कारगर और अचूक तकनीक मौजूद नहीं। विडंबना है कि न तो हमें कभी ऐसे हालतों से निपटने की कोई खास सामाजिक तकनीक बताई जाती है और न ही ऐसे हालात से उबरने के बाद सकारात्मकता के साथ खुद को जीवन की रफ्तार में ढालने के कोई कारगर उपाय सुझाए जाते हैं। अगर जीवन को देखने का एक खास नजरिया कि–श्चाहे जो भी हो मैं हर हाल में सुखी रहूंगीच, विकसित कर लें तो खुदकुशी जैसे दानव से निपटना आसान होगा।

आज ज्यादातर अभिनेत्रियां स्वांतरू सुख के लिए अकेलेपन की निज रेखा अपने चारों ओर खींच रही हैं और निजता की ये परिधि इतनी ऊंची और मोटी है जिसके पार कोई झांक तो क्या पर भी नहीं मार सकता। मन में उठने वाली व्यथा और तकलीफ बांटने वाला कोई बचा नहीं क्योंकि हमने खुद को एकांतिक बना लिया है और वही हमारा सुख बन गया है।

ये आत्म हिंसा नहीं तो और क्या है। कुंठा और मनोरोग से बचना है तो हमे भीड़ का हिस्सा बनना होगा अर्थात अपने आसपास अपनों की भीड़ खड़ी करनी होगी जो हमें दुख, निराशा और घुटन मे साहस, संबल और सहारा दे सके। हमें स्वीकारना होगा कि हम अकारण अकेले होते जा रहे हैं।

बड़ी घोषणाओं की समय सीमा समाप्त!

साल 2022 समाप्त हो गया और इसके साथ ही केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से घोषित तमाम बड़ी योजनाओं और तमाम बड़े वादों की समय सीमा भी पूरी हो गई। लेकिन कोई भी घोषणा या कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ। आमतौर पर राजनीतिक दलों और सरकारों की घोषणाएं पूरी नहीं होती हैं लेकिन पहले की सरकारों और मौजूदा सरकार में फर्क यह है कि पहले पार्टियां और सरकारें अमूर्त रूप से घोषणाएं करती थीं। जैसे गरीबी हटाओ! यह नहीं कहा गया था कि गरीबी कब तक हटेगी। लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार ने हर वादा पूरा करने के लिए एक समय सीमा दी थी। एक निश्चित तारीख बताई थी और वह तारीख गुजर गई। प्रधानमंत्री मोदी ने सितंबर 2018 में कहा था कि अगले चार साल में यानी 2022 तक भारत पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। हालांकि कोरोना महामारी के बाद से उन्होंने इस बारे में कुछ भी कहना बंद कर दिया और उनकी पार्टी के नेताओं ने समय सीमा आगे बढ़ानी शुरू कर दी है। लेकिन 2022 खत्म हुआ तो यह ध्यान आया कि इसी साल भारत की अर्थव्यवस्था पांच खरब डॉलर की होने वाली थी, लेकिन अभी तक देश की अर्थव्यवस्था तीन खरब डॉलर के थोड़ा ऊपर जाकर अटकी हुई है। प्रधानमंत्री ने जून 2018 में कहा था कि 2022 तक देश के किसानों की आय दोगुनी हो जाएगी। यह बात उन्होंने पहले भी कही थी और उसके बाद भी वे और उनकी पार्टी इसे दोहराते रहे थे। हालांकि पिछले एक–दो साल से इसका भी जिक्र बंद है। अब साल खत्म हो गया। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई उलटे कृषि लागत दोगुनी या उससे ज्यादा हो गई। प्रधानमंत्री ने कोई चार साल पहले कहा था कि भारत में 2022 तक बुलेट ट्रेन चलने लगेगी। खाड़ी के देश ओमान में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह समय सीमा घोषित की थी। हकीकत यह है कि अभी महाराष्ट्र में शिव सेना के शिंदे गुट की भाजपा समर्थित सरकार जमीन अधिग्रहण का काम कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार में आने के थोड़े दिन बाद ही महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया था। उन्होंने कहा था कि 2022 में जब देश आजादी की 75वीं सालगिरह मना रहा होगा तब देश के हर आदमी के सिर पर अपनी पक्की छत होगी यानी हर परिवार को पक्का मकान आवंटित हो जाएगा। वह समय सीमा भी समाप्त हो गई और करोड़ों परिवार अब भी बिना आवास के हैं। उन्होंने सितंबर 2015 में कहा था कि 2022 तक देश के हर घर को 24 घंटे बिजली मिलने लगेगी। उसकी मियाद भी पूरी हो गई और भारत अभी हर घर को 24 घंटे बिजली देने के लक्ष्य से बहुत दूर है। प्रधानमंत्री मोदी ने वादा किया था कि आजादी के अमृत वर्ष यानी 2022 में भारत माता की कोई संतान अपने यान से अंतरिक्ष में जाएगी। अगर यह लक्ष्य पूरा होता तो ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन जाता। लेकिन 2022 का साल खत्म हो गया और अंतरिक्ष में किसी भारतीय को भेजने की योजना पूरी नहीं हुई।

कृषकों के हित में न भूतो न भविष्यति वाला वर्ष रहा है 2022

राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से प्रदेश में एपीडा का क्षेत्रीय कार्यालय स्वीकृत कराकर चालू कराया गया। यह कार्यालय मंडी बोर्ड भोपाल द्धकिसान भवनऋ में स्थित है। इससे मध्यप्रदेश के किसानों को अपने कृषि उत्पाद निर्यात करने में सुविधा मिल रही है। साथ ही उन्हें अपनी उपज का अधिकतम लाभ भी प्राप्त हो रहा है। एपीडा की मदद से ही बालाघाट के चिन्नूर चावल...

कमल पटेल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्म–निर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने के लिये मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों के हित में राज्य सरकार ने वर्ष 2022 में अभूतपूर्व निर्णय लिये। ये ऐसे निर्णय रहे, जिनसे किसानों को अप्रत्याशित रूप से दो गुने से ज्यादा लाभ मिला। किसानों का धन और समय बचा, जिसका लाभ उन्हें और उनके परिवार को मिला। हम कह सकते हैं कि किसानों के लिये वर्ष 2022 न भूतो न भविष्यति की उक्ति को चरितार्थ करने वाला रहा है। राज्य सरकार को लगातार 7वीं बार कृषि कर्मण अवार्ड के अतिरिक्त कृषि अधोसंरचना निधि के सर्वाधिक उपयोग के लिये बेस्ट फरफॉर्मिंग स्टेट, मिलेट मिशन योजना में बेस्ट इमर्जिंग स्टेट और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त हुआ। प्रदेश में वन ग्राम के किसानों को भी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से लाभान्वित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। सरकार ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में शामिल करवा दिया। इससे वनाधिकार पट्टेधारियों की फसलों को क्षति होने पर फसल बीमा योजना का लाभ मिलने लगा। फसल बीमा योजना का ज्यादा से ज्यादा किसान लाभ ले सकें और इसमें अपनी विभिन्न फसलों का बीमा कराने के लिये सरकार ने अधिसूचित फसल क्षेत्र का मापदंड 100 हेक्टेयर के स्थान पर 50 हेक्टेयर किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के 4 हजार रूयये मिला कर प्रदेश के लाखों किसानों को 10 हजार रूपये की सालाना मदद की जा रही है।

प्रदेश में किसानों की ग्रीष्म कालीन मूंग को समर्थन मूल्य पर खरीदने का निर्णय लिया गया, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हुई। चना, मसूर, सरसों की उपज का उपार्जन, गेहूँ उपार्जन के साथ किया गया। इससे किसानों को लगभग 10 हजार करोड़ रूपये का अतिरिक्त लाभ हुआ। सरकार ने 8 जिलों में तिवड़ा मिश्रित चने का उपार्जन समर्थन मूल्य पर किया। प्रदेश सरकार के जितना उत्पादन–उतना उपार्जन के निर्णय से चने के उपार्जन की क्षमता में वृद्धि हुई और किसानों को 750 करोड़ रूपये का अतिरिक्त लाभ हुआ। इस वर्ष समितियों में एक दिन में किसानों से उपार्जन की अधिकतम सीमा 25 क्विंटल को समाप्त कर दिया गया।

किसानों के हित में परंपरागत फसलों के स्थान पर लाभकारी फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिये फसल विविधीकरण योजना लागू की गई। राज्य में प्राकृतिक खेती को मिशन मोड में आगे बढ़ाने के लिये भी सरकार प्रतिबद्ध है। प्रत्येक किसान को अपनी कुछ भूमि पर प्राकृतिक खेती के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार ने निर्णय लिया है कि नर्मदा नदी के किनारों पर 4 लाख 45 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जायेगी। एक लाख 86 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती करने के लिये 60 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। राज्य सरकार ने यह निर्णय भी लिया कि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के प्रोत्साहन के लिये सरकार देसी गाय के लालन–पालन के लिये 900 रूपये प्रतिमाह का अनुदान दिया जायेगा।

सरकार ने किसानों के हित में कृषि आदानों की गुणवत्ता नियंत्रण को प्राथमिकता देते हुए अमानक बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक विक्रेताओं के विरूद्ध भी इस वर्ष सख्ती से कार्रवाई की। इस वर्ष 136 बीज विक्रेताओं, 120 उर्वरक विक्रेताओं और 14 कीटनाशक विक्रेताओं की अनुज्ञप्तियों को निलंबित और निरस्त करने की कार्यवाही की। बीज, उर्वरक और कीटनाशक के 39 विक्रेताओं के विरूद्ध एफआईआर की कार्रवाई की गई। राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से प्रदेश में एपीडा का क्षेत्रीय कार्यालय स्वीकृत कराकर चालू कराया गया। यह कार्यालय मंडी बोर्ड भोपाल (किसान भवन) में स्थित है। इससे मध्यप्रदेश के किसानों को अपने कृषि उत्पाद निर्यात करने में सुविधा मिल रही है। साथ ही उन्हें अपनी उपज का अधिकतम लाभ भी प्राप्त हो रहा है। एपीडा की मदद से ही बालाघाट के चिन्नूर चावल को जीआई टेग मिलने में सफलता मिली है। प्रदेश के विभिन्न जिलों के उत्पादों को जीआई टेग दिलवाने के लिये एपीडा प्रयासरत है। **लेखक किसान–कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री हैं।**

भारतीय स्टार्टअप्स 2022 में अस्तित्व के संकट से गुजरे

क्या जल्द ही स्थिति बदलेगी ? वैश्विक अर्थव्यवस्था उच्च मुद्रास्फीति और भू–राजनीतिक तनाव से प्रभावित है। मैक्रोइकश्वनश्वमिक वातावरण उच्च तेल की कीमतों से लेकर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों तक कई तनाव कारकों का सामना कर रहा है। भारत के पड़ोस में श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसी छोटी अर्थव्यवस्थाएं विश्व स्तर पर इसका प्रतिनिधित्व करती हैं। आईएमएफ...

अरुण कुमार श्रीवास्तव

वैश्विक अर्थव्यवस्था उच्च मुद्रास्फीति और भू–राजनीतिक तनाव से प्रभावित है। मैक्रोइकॉनॉमिक वातावरण उच्च तेल की कीमतों से लेकर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों तक कई तनाव कारकों का सामना कर रहा है। भारत के पड़ोस में श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसी छोटी अर्थव्यवस्थाएं विश्व स्तर पर इसका प्रतिनिधित्व करती हैं। आईएमएफ और विश्व बैंक अपनी तत्काल वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत अधिक प्रयास कर रहे हैं। 2022 में भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य काफी हद तक दब गया है। 2021 में 542 की तुलना में, 2022 में केवल 244 नए यूनिकॉर्न बनाए गये। भारतीय स्टार्टअप कंपनियां वैश्विक रूझान के अनुरूप ही रहीं तथा 2021 की 44 की तुलना में 2022 में केवल 23 नये यूनिकॉर्न ही बने, अर्थात् लगभग 50 प्रतिशत कम। भारत ने लेट–स्टेज स्टार्टअप्स में 2021 में 43 अरब डॉलर की तुलना में 2022 में 25 अरब डॉलर की फंडिंग आकर्षित की। इस साल भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य में सबसे प्रमुख विषय प्रौद्योगिक (टेक), विशेषकर आईटी, कंपनियों में बड़े पैमाने पर छंटनी रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यूनिकॉर्न और सेमी–यूनिकॉर्न सहित 52 स्टार्टअप में 18,000 से अधिक प्रौद्योगिकी पेशेवरों ने नौकरी खो दी। वैश्विक स्तर पर, 1400 टेक कंपनियों ने 2022 में दो लाख से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की। विशेषज्ञों के अनुसार यह प्रवृत्ति 2023 में भी जारी रहने की संभावना है। भारत के टेक हब जैसे बेंगलुरु और हैदराबाद आज किसी भी चीज की तुलना में छंटनी के लिए अधिक चर्चा में हैं। बेंगलुरू से आने वाली संकट की कहानियों में, ऐसे कई मामले हैं जहां नवविवाहित जोड़े दोनों ने अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी खो दी है, जिसमें विच्छेद लाभ के रूप में सिर्फ दो महीने का मूल वेतन दिया गया। वैश्विक मंदी से प्रभावित जॉब मार्केट में, जॉब रिप्लेसमेंट ढूंढना इतना मुश्किल कभी नहीं रहा। तकनीकी कर्मचारियों की बर्खास्तगी का नेतृत्व मेटा, अमेजॅन और कॉइनबेस सहित वैश्विक दिग्गजों ने किया था। 2021 की पहली छमाही वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप्स के लिए सबसे उज्ज्वल अवधि थी। यह शुरुआती कोविड–19 लॉकडाउन के बाद आया जब टेक कंपनियों ने अपने कारोबार में भारी वृद्धि देखी। कंपनियों ने इस प्रवृत्ति के जारी रहने की उम्मीद में भर्तियां कीं, लेकिन कोविड–19 के कारण कारखानों के बंद होने और बड़ी संख्या में लोगों की नौकरी गंवाने के कारण आर्थिक मंदी ने दूसरी छमाही में कंपनियों के कैश रजिस्टर पर दुष्प्रभाव शुरू कर दिया। साल 2021 के अंत तक, आर्थिक मंदी का प्रभाव अधिक व्यापक हो गया था और तकनीकी शेयरों ने दुनिया भर के एक्सचेंजों पर कुठाराघात शुरू कर दिया था। फरवरी 2022 में, रूस–यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक निवेश के माहौल को और खराब कर दिया क्योंकि वेंचर फंड तेजी से बदलती भू–राजनीति में जोखिम नहीं लेना चाहते थे। अविश्वसनीय मार्केट कैप और वैल्यूएशन वाली टेक कंपनियों को लिक्विडिटी और फंडिंग संकट का सामना करना पड़ा, जिसने पूरे टेक सेक्टर की सम्भावनाओं को दुष्प्रभावित किया। छंटनी के अलावा, भारतीय स्टार्टअप दृश्य जीवंत रहा है, लेकिन मजबूती से बहुत दूर। भारत 85,000 से अधिक स्टार्टअप और 107 यूनिकॉर्न के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। सरकार ने घरेलू वीसी (वेंचर कैपिटल) उद्योग को विकसित करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के श्फंड ऑफ फंड्सश की प्रतिबद्धता जताई है। यह 220 से अधिक कर छूट की पेशकश करने का भी दावा करता है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), जो भारत के स्टार्टअप अभियान में प्रमुख भूमिका निभाता है, नियमित रूप से भारतीय स्टार्टअप्स की मदद के लिए नयी पहल शुरू कर रहा है। हाल ही में की गई ऐसी ही एक पहल, इंडिया–यूएस स्टार्टअप सेतु, का उद्देश्य अमेरिकी निवेशकों और आकाओं से भारतीय स्टार्टअप को लाभ पहुंचाना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेईटी) के तहत एक स्वायत्त संगठन, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) ने पंजाब के मोहाली में न्यूरॉन नामक एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। इसका उद्देश्य डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑडियो वीडियो गेमिंग में स्टार्टअप्स की मदद करना है। इस महीने की शुरुआत में, एसटीपीआई ने नई दिल्ली में अपनी बिल्डिंग द नेक्स्ट यूनिकॉर्न पहल के तहत टेक स्टार्टअप्स का एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। दिसम्बर में, कर्नाटक ने एक नयी स्टार्टअप नीति जारी की है, जो एक राज्यव्यापी स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करती है, जो बेंगलुरू से अधिक लाभ उठाती है। यह बेंगलुरु के बाहर तकनीकी संस्थानों में 50 न्यू–एज इनोवेशन नेटवर्क (एनएआईएन) स्थापित करने की योजना बना रहा है और अगले पांच वर्षों में 10,000 से अधिक स्टार्टअप जोड़ने की योजना बना रहा है। बेंगलुरू स्टार्टअप्स के लिए सबसे आशाजनक गंतव्य के रूप में सामने आता है। इंक 42 के एक अध्ययन के अनुसार, अगले 100 यूनिकॉर्न में, बेंगलुरु में 43 फीसदी, मुंबई में 22फीसदी, दिल्ली–एनसीआर में 16फीसदी, अन्य में 10 फीसदी और अहमदाबाद, चेन्नई और हैदराबाद प्रत्येक में 3 फीसदी की संभावना है। भारत 10 जनवरी से 16 जनवरी तक स्टार्टअप इंडिया इनोवेशन वीक मना रहा है और दिल्ली–एनसीआर में कुछ सबसे प्रसिद्ध स्टार्टअप आइकॉन और वेंचर फंड्स के नोएडा में जुटने की संभावना है। इस मौके पर टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलोन मस्क के भी मौजूद रहने की उम्मीद है। भारत का विशाल टैलेंट पूल और समान रूप से बड़ी संख्या में रोजमर्रा की समस्याएं स्टार्टअप्स के लिए उपयुक्त वातावरण बनाती हैं, परन्तु वेंचर फंडिंग ही एकमात्र समस्या है जिसका वे सामना करते हैं। फंडिंग कम होने के साथ, स्टार्टअप परिदृश्य 2021 की शुरुआत के मुकाबले उतना खुशनुमा नहीं है। जैसे–जैसे छंटनी होती जा रही है, उत्साही स्टार्टअप श्रमिकों और संस्थापकों का मनोबल उनकी अनुपस्थिति से स्पष्ट होता जा रहा है।

क्या कहते हैं वर्ष 2023 के सितारे : दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ेगी

वर्ष 2023 की शुरुआत में शनिदेव मकर राशि में होंगे और 17 जनवरी को कुंभ राशि में जब गोचर शुरू करेंगे तो धनु राशि पर शनि की साढ़ेसाती और मिथुन व तुला राशि पर शनि की ढैया समाप्त हो जाएगी। मीन राशि पर शनि की साढ़ेसाती और कर्क व वृश्चिक राशि पर शनि की ढैया शुरू हो जाएगी...

वर्ष 2023 दस्तक देने के लिए तैयार है। जो लोग ज्योतिष विधा पर यकीन रखते हैं, ग्रह नक्षत्रों की चाल पर विश्वास रखते हैं, उन्हें यह जिज्ञासा होना स्वाभाविक रहता है कि 2023 उनके लिए कैसा रहेगा। यानी नए साल की बंद मुट्ठी में उनके लिए क्या होगा। नए साल में वे क्या खोएंगे और क्या पाएंगे? उनके जीवन में क्या सुखद रहेगा। कहां दिक्कत रहेगी। उनकी इकोनामिक कंडीशन यानी आर्थिक स्थिति कैसी रहेगी। पारिवारिक जीवन कैसा रहेगा। प्रेम जीवन कैसा रहेगा। कैरियर में कौन सा मुकाम हासिल होगा। बिजनेस कैसा चलेगा। नौकरी मिलेगी या नहीं। प्रमोशन हो पाएगी या नहीं। अधूरे छूटे काम भविष्य में पूरे हो पाएंगे या नहीं। यानी तरह–तरह के सवाल जेहन में उमडने घुमडने लगते हैं। ग्रह नक्षत्रों की स्थिति के आधार पर 'एस्ट्रोलॉजी एक विज्ञान' रिसर्च पुस्तक के लेखक व ज्योतिष शोधार्थी गुरमीत बेदी ने इन सभी सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश की है और सभी 12 राशियों का वार्षिक भविष्यफल तैयार किया है। किस राशि के लिए कैसा रहेगा नया साल और किन किन मोर्चे पर सफलता और असफलता मिलेगी, इसका पूरा लेखा–जोखा तैयार किया गया है। 2023 की शुरुआत रविवार पौष माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को अश्विनी नक्षत्र में कन्या लग्न और मेष राशि में हो रही है। इस दिन प्रातरू शिवयोग, फिर सिद्ध योग तथा तदोपरांत साध्य योग रहेगा। वर्ष 2023 की शुरुआत में शनिदेव मकर राशि में होंगे और 17 जनवरी को कुंभ राशि में जब गोचर शुरू करेंगे तो धनु राशि पर शनि की साढ़ेसाती और मिथुन व तुला राशि पर शनि की ढैया समाप्त हो जाएगी। मीन राशि पर शनि की साढ़ेसाती और कर्क व वृश्चिक राशि पर शनि की ढैया शुरू हो जाएगी। पूरा वर्ष कुंभ राशि में बैठे शनि की मेष, सिंह तथा वृश्चिक राशियों पर क्रमशरू तीसरी, सातवीं तथा दसवीं दृष्टि पड़ेगी।

वर्ष 2023 की शुरुआत में देव गुरु बृहस्पति अपनी ही मीन राशि में गोचर कर रहे होंगे और 21 अप्रैल को मेष राशि में संचार करेंगे। 13 जनवरी 2023 को मंगल ग्रह वृषभ राशि में मार्गी हो जाएंगे। अक्टूबर महीने तक राहु और केतु का गोचर मेष व तुला राशियों में जारी रहेगा। 30 अक्टूबर को राहु और केतु राशि परिवर्तन करेंगे। नए साल की खास बात यह भी रहेगी कि 22 मार्च 2023 से शुरू होने वाले नए विक्रमी संवत 2080 का आरंभ बुधवार को होने की वजह से आकाशीय मंत्रिमंडल के राजा बुध रहेंगे जबकि भोग विलास व सुख संपत्ति के कारक शुक्र ग्रह मंत्री की भूमिका में होंगे। बुध के राजा होने की वजह से धार्मिक कार्य में लोगों की रुचि बढ़ेगी और स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता भी बढ़ेगी। लेकिन 'पिंगल' नामक संवत्सर होने से कई राज्यों में सत्ता पक्ष को जन असंतोष का सामना करना पड़ेगा। महंगाई और बेरोजगारी का मुद्दा जनता को उद्वेलित किए रखेगा। कुछ राज्यों में राजनीतिक उथल–पुथल भी होगी। धार्मिक कट्टरवाद भी बढ़ेगा। देश के किसी वरिष्ठ राजनेता के स्वास्थ्य में अचानक गिरावट आ सकती है। 22 अप्रैल 2023 से 15 मई 2023 तक चतुग्रही योग बनने और 10 मई से 30 जून तक मंगल व शनि के बीच षडाष्टक योग बनने से विश्व के कुछ देशों में आपसी टकराव बढ़ेगा जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी। देव गुरु बृहस्पति के अपनी स्वराशि में होने और लगन पर उनकी दृष्टि पडने के कारण दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस साल जो ग्रह गोचर की स्थिति है, उससे देश में आईटी सेक्टर में नई क्रांति आएगी और रियल एस्टेट को भी बूम मिलेगा। नए संवत्सर के राजा शुक्र ग्रह होने के कारण देश में उपभोक्तावाद संस्कृति में रुझान बढ़ेगा। विपरीत सेक्स के प्रति झुकाव बढ़ेगा। सौंदर्य प्रसाधन सामग्री का कारोबार बढ़ेगा। नए संवत्सर के राजा क्योंकि बुध ग्रह हैं, इसलिए लेखकों, अध्यापकों, चिकित्सकों, शोध कर्मियों, वकीलों, न्यायाधीशों व ज्योतिष विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों की प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

2023 में लगेंगे 4 ग्रहण

2021 और 2022 की तरह वर्ष 2023 में भी चार ग्रहण का योग बन रहा है जिनमें दो सूर्यग्रहण और दो चंद्रग्रहण शामिल होंगे। पंचांग के अनुसार 20 अप्रैल 2023 को सुबह 7.04 बजे से दोपहर 12.29 बजे तक साल का पहला सूर्य ग्रहण लगेगा। इसी तरह साल 2023 का दूसरा सूर्य ग्रहण 14 अक्टूबर शनिवार को पड़ेगा। चूंकि साल 2023 में लगने वाले दोनों सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देंगे, इसलिए इनका सूतक काल भारत में मान्य नहीं होगा। इस साल 2 चंद्र ग्रहण लगेंगे। साल का पहला चंद्र ग्रहण 5 मई 2023 दिन शुक्रवार को लगेगा, जबकि दूसरा चंद्र ग्रहण 29 अक्टूबर 2023 को रात में 01.06 बजे शुरू होगा और 02.22 बजे समाप्त होगा। स्थानीय ग्रहण की अवधि एक घंटे सोलह मिनट और सोलह सेकंड तक रहेगी। साल 2023 सभी 12 राशियों के लिए कैसा रहने वाला है, इसका पूरा लेखा–जोखा 'दिव्य हिमाचल' में प्रस्तुत किया जा रहा है। –गुरमीत बेदी, एस्ट्रोलॉजर, मो. –9418033344

नए साल 2023 में खूब बजेंगी शहनाइयां, शुभ मुहूर्त की भरमार

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिन्दी पंचांग के अनुसार साल 2023 में विवाह के कुल 59 शुभ मुहूर्त हैं। इनमें जनवरी में 9, फरवरी में 13, मई में 14, जून में 11, नवंबर में 5 और दिसंबर में 7 विवाह मुहूर्त हैं...

नए साल 2023 में शादियों के शुभ मुहूर्त की भरमार है। बिना शुभ मुहूर्त के विवाह कार्यक्रम नहीं किए जा सकते हैं। वर्ष में कई मौके आते हैं जब विवाह के कई शुभ मुहूर्त होते हैं वहीं कुछ महीनों तक विवाह के मुहूर्त ही नहीं होते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में विवाह संपन्न करने के लिए शुभ मुहूर्त का विशेष महत्व होता है। बिना शुभ मुहूर्त के विवाह कार्यक्रम नहीं किए जा सकते हैं। वर्ष में कई मौके आते हैं जब विवाह के कई शुभ मुहूर्त होते हैं वहीं कुछ महीनों तक विवाह के मुहूर्त ही नहीं होते हैं।

शादी के लिए शुभ दिन और तिथि

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि धर्म और ज्योतिष में जिस तरह शादी के लिए शुभ मुहूर्त और शुभ योग बताए गए हैं। उसी तरह शादी करने के लिए शुभ दिन और शुभ तिथियां भी बताई गईं हैं। इन दिन और तिथि में शादी करना बहुत शुभ होता है। इससे दांपत्य जीवन खुशहाल रहता है। पति–पत्नी के भाग्य में वृद्धि होती है। ज्योतिष के मुताबिक शादी करने के लिए सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को सबसे अनुकूल माना जाता है। जबकि मंगलवार को विवाह के लिए अशुभ माना जाता है। इसी तरह शादी करने लिए द्वितीया तिथि, तृतीया तिथि, पंचमी तिथि, सप्तमी तिथि, एकादशी तिथि और त्रयोदशी तिथि बेहद शुभ होती है। साथ ही शादी के लिए अभिजीत मुहूर्त सबसे शुभ होता है। इसके अलावा गोधुली बेला में शादी करना उत्तम होता है।

साल 2023 में विवाह के 59 शुभ मुहूर्तः भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लध्षेक डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिन्दी पंचांग के अनुसार साल 2023 में विवाह के कुल 59 शुभ मुहूर्त हैं। इनमें जनवरी में 9, फरवरी में 13, मई में 14, जून में 11, नवंबर में 5 और दिसंबर में 7 विवाह मुहूर्त हैं। नए साल यानि वर्ष 2023 का पहला सावा 15 जनवरी को होगा। बसंत पंचमी, रामनवमी, भड़ल्या नवमी, अक्षय तृतीया सहित कई अबूझ सावे भी होंगे। मार्च 2023 में होलाष्टक और अप्रैल में खरमास लगने पर मांगलिक कार्य नहीं होंगे। 29 जून से चातुर्मास शुरू हो जाएगा। अधिकमास होने से पांच महीने चातुर्मास रहेगा। इससे देवशयनी एकादशी 29 जून से 23 नवंबर देवउठनी एकादशी तक सावे नहीं हो सकेंगे। देवउठनी एकादशी का अबूझ सावा रहेगा। इसके बाद लग्न मुहूर्त शुरू होंगे

आईए विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुंडली विश्लध्षेक डा. अनीष व्यास से जानते है वर्ष 2023 के शुभ मुहूर्तं–

साल 2023 में विवाह के शुभ मुहूर्त

जनवरी 2023– 15, 16, 18, 19, 25, 26, 27, 30, 31

फरवरी 2023– 6, 7, 8, 9 10, 12, 13, 14, 15, 17, 22 23, 28

मई 2023– 4, 6, 8, 9, 10, 11, 15, 16, 20, 21, 22, 27, 29, 30

जून 2023– 1, 3, 5, 6, 7, 11, 12, 23, 24, 26, 27

नवंबर 2023– 23, 24, 27, 28, 29

दिसंबर 2023– 5, 6, 7 8, 9, 11, 15

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।)

इस साल जुलाई, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर में शादी के कोई शुभ मुहूर्त नहीं बन रहा है।

विवाह मुहूर्त में लग्न का महत्व

कुण्डली विश्लध्षेक डा. अनीष व्यास ने बताया कि शादी–ब्याह के संबंध में लग्न का अर्थ होता है फेरे का समय। लग्न का निर्धारण शादी की तारीख तय होने के बाद ही होता है। यदि विवाह लग्न के निर्धारण में गलती होती है तो विवाह के लिए यह एक गंभीर दोष माना जाता है। विवाह संस्कार में तिथि को शरीर, चंद्रमा को मन, योग व नक्षत्रों को शरीर का अंग और लग्न को आत्मा माना गया है यानी लग्न के बिना विवाह अधूरा होता है।

क्यों मिलाई जाती है कुंडली

विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लध्षेक डा. अनीष व्यास ने बताया कि रीति–रिवाज और पंचांग के अनुसार विवाह में वर और वधू के बीच दोनों की कुंडलियों को मिलाया जाता है। इस व्यवस्था को कुंडली मिलान या गुण मिलान के नाम से जानते हैं। इसमें वर और कन्या की कुंडलियों को देखकर उनके 36 गुणों को मिलाया जाता है। जब दोनों के न्यूनतम 18 से 32 गुण मिल जाते हैं तो ही उनकी शादी के सफल होने की संभावना बनती है। बहुत से ऐसे लोग हैं जिनके गुण मिलान में 24 से 32 गुण तक मिलते हैं लेकिन वैवाहिक जीवन बहुत ही दुश्वारियों भरा होता है। इसका मुख्य कारण यह है कि पुरुष–स्त्री दोनों के जीवन का अलग–अलग विश्लेषण करने से पता चलता है।

साल 2023 में कब-कब लगेंगे सूर्य और चंद्र ग्रहण?

साल 2023 पहला सूर्यग्रहण 20 अप्रैल 2023, गुरुवार के दिन लगेगा। हिन्दू पंचांग के अनुसार, यह ग्रहण सुबह 7 बजकर 04 मिनट से शुरू होगा और दोपहर 12 बजकर 29 मिनट तक रहेगा, लेकिन भारत में न दिखाई देने के कारण यहां सूतक काल मान्य नहीं होगा..

सूर्य ग्रहण	कब से	कब तक	सूतक काल
पहला (20 अप्रैल 2023, गुरुवार)	7 बजकर 04 मिनट से	12 बजकर 29 मिनट तक	भारत में सूतक काल मान्य नहीं
दूसरा (14 अक्टूबर 2023 शनिवार)	भारत में दिखाई नहीं देगा		सूतक काल भारत में मान्य नहीं होगा

चंद्र ग्रहण	कब से	कब तक	सूतक काल
पहला (05 मई 2023)	रात 08 बजकर 45 मिनट से	रात 01 बजे तक	उपच्छाया चंद्र ग्रहण की वजह से सूतक काल मान्य नहीं होगा
दूसरा (29 अक्टूबर)	रात 01 बजकर 06 मिनट से	रात 02 बजकर 22 मिनट तक	शाम 5 बजे से

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण का व्यक्ति के जीवन पर काफी प्रभाव होता है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, नए साल 2023 में कुल चार ग्रहण लगने का योग बना है। इसमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण लगेंगे। लेकिन भारतवर्षीय भूभाग में दो सूर्य ग्रहण और एक चंद्रग्रहण नहीं दिखेगा। इन चारों ग्रहणों के एक साथ होने की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का समय से ज्यादा प्रकोप देखने को मिलेगा। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि साल 2023 में ये चार ग्रहण कब लगेंगे और किन देशों पर इनका सबसे ज्यादा असर होगा–

सूर्य ग्रहण 2023

साल 2023 पहला सूर्यग्रहण 20 अप्रैल 2023, गुरुवार के दिन लगेगा। हिन्दू पचाग के अनुसार, यह ग्रहण सुबह 7 बजकर 04 मिनट से शुरू होगा और दोपहर 12 बजकर 29 मिनट तक रहेगा, लेकिन भारत में न दिखाई देने के कारण यहां सूतक काल मान्य नहीं होगा। वहीं, साल का दूसरा और साल का आखिरी सूर्य ग्रहण 14 अक्टूबर 2023, शनिवार के दिन होगा। इस ग्रहण को पश्चिमी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अटलांटिका और अंटार्कटिका मे लोग देख पाएंगे। जिस वजह से भारत में दोनों सूर्यग्रहण के दौरान सूतक काल मान्य नहीं होंगे।

चंद्र ग्रहण 2023

साल 2023 का पहला चंद्रग्रहण 5 मई को दिन शुक्रवार को लगेगा। ग्रहण 08रू45 च्ड स 01:00 |ड तक रहेगा। भारत म यह दिखाई देगा, इसलिए सूतक काल 9 घंटे पहले शुरू हो जाएगा। साल 2023 का दूसरा चंद्रग्रहण 29 अक्टूबर को यानी कि रविवार को लगेगा। यह पूर्ण चंद्रग्रहण होगा, जो कि 01रू06 से 02रू22 |ड तक रहेगा। इसका भी सूतक काल मान्य होगा।

कब लगता है सूर्य ग्रहण?

जब चंद्रमा और पृथ्वी के बीच सूर्य आ जाता है तब सूर्य ग्रहण लगता है। ये अमावस्या के दिन लगता है, जिसे कि नग्न आंखों से नहीं देखना चाहिए।

कब लगता है पूर्ण चंद्रग्रहण?

पूर्ण चंद्रग्रहण तब लगता है, जब सूर्य और चंद्रमा के बीच पृथ्वी आ जाती है और अपने उपग्रह चंद्रमा को अपनी छाया से ढंक लेती है। चंद्रमा इस स्थिति में पृथ्वी की ओट में पूरी तरह छिप जाता है और उस पर सूर्य की रोशनी नहीं पड़ पाती है। इस खगोलीय घटना के वक्त पृथ्वीवासियों को कभी–कभार चंद्रमा रक्तिम आभा लिए दिखाई देता है जिसे ब्लड मून भी कहा जाता है।

क्या होता है सूतक काल?

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, ग्रहण से पहले सूतक काल शुरू हो जाता है। सूर्य ग्रहण से 12 घंटे पहले और चंद्र ग्रहण के शुरू होने से करीब 09 घंटे पहले सूतक काल शुरू हो जाता है। इस अवधि के दौरान किसी भी तरह का कोई शुभ काम या पूजा–पाठ करना वर्जित होता है।

सर्दी के सितम में प्रशासन की हकीकत

फरेंदा, महाराजगंज। पुराने साल के अलविदा के वक्त और नववर्ष के आगमन की खुशी पर ठंड ने मानो ब्रेक सा लगा दिया है। सर्द मौसम से आम जनजीवन में ऐसा लगता है जैसे ठहराव सा आ गया हो लेकिन धन्य हो नगर पंचायत आनंद नगर का जहां अभी तक अलाव को लेकर कोई व्यवस्था नहीं की गई है जिसको लेकर आम जनमानस में रोष व्याप्त है। दुकानदारों का कहना है कि वह खुद निजी व्यवस्था करके अलाव जला रहे हैं जिससे भीषण सर्दी से बचा जा सके जो दुकानदार सक्षम नहीं हैं वह रद्दी व कचरा जलाकर ठंड से अपना बचाव कर रहे हैं। जबकि प्रदेश सरकार की ओर से अलाव जलाने के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं दूरदराज से आए ग्रामीण भी अलाव का सहारा ले लेते थे लेकिन इस बार की सर्दी में नगर पंचायत प्रशासन की उदासीनता के चलते लोग परेशान दिखाई दे रहे हैं। ठंड से लोगों को राहत देने के लिए नगर पंचायत आनंद नगर कागजों में ही अलाव जलाकर गर्मी पैदा कर रहा है। नगर पंचायत के धानी ढाला ,शंचरहिया, एलआईसी ऑफिस ,मिल गेट ,अंबेडकर तिराहा ,विष्णु मंदिर चौराहा ,निराला नगर सहित नगर पंचायत ऑफिस व बनाए गए स्पॉट पर अलाव जलाने का दावा हवा हवाई है। सड़क किनारे मौजूदा राख के ढेर औपचारिकता की गवाही दे रही है। आपको बता दें कि शासन द्वारा ठंड से बचाव के लिए गरीबों की योजनाओं को नगर पंचायत पलीता लगाते हुए न तो अभी तक अलाव जलवाया न हीं कंबल का वितरण किया गया रैन बसेरे के नाम पर भी किया जा रहा है खानापूर्ति। इस संबंध में अधिशासी अधिकारी अवध प्रकाश सिंह ने बताया की जरूरत के हिसाब से कुछ जगहों पर अलाव जलाए जा रहे हैं कंबल का वितरण न हुआ है ना हो पाएगा जबकि नगर के शिव मंदिर व विष्णु मंदिर पर रैन बसेरा बनाया गया है।

आल इंडिया यूनिवर्सिटी फुटबॉल के कैंप में सोनाक्षी का चयन

एलएनआईपी यूनिवर्सिटी ग्वालियर में 12 से 17 जनवरी तक होगी प्रतियोगिता

बघौचघाट। राज्य व नेशनल प्रतियोगिताओं के अलावा फुटबॉल के विभिन्न लीग में खेल रही जिले की बेटी सोनाक्षी इस खेल में अपनी नई पहचान बनाने को बेताब है। यूपी टीम से पांच बार नेशनल खेल चुकी यह गोलकीपर खिलाड़ी पुनरू आल इंडिया यूनिवर्सिटी के प्रशिक्षण कैंप के लिए चुनी गई है। 12 से 17 जनवरी तक ग्वालियर के एलएनआईपी यूनिवर्सिटी में यह प्रतियोगिता प्रस्तावित है।

पथरदेवा के मझौवा निवासी विजय सिंह की छह संतानों में चार बेटों व दो बेटियों में सोनाक्षी सबसे छोटी है। वह स्कूली फुटबॉल टीम महाराणा प्रताप से खेलती रही और बेहतर प्रदर्शन के दम पर मैच जिताने में भी योगदान किया। इसका इनाम उसे पहले यूपी की अंडर–16 फुटबॉल टीम में चयन के रूप में मिला और वह मणिपुर में खेलने भी गई। फिर उसका चयन यूपी की अंडर–19 महिला टीम में हुआ और वह टीम से नेशनल खेलने गोवा खेलने गई। यहां उसने बेहतरीन खिलाड़ी का पुरस्कार प्राप्त किया था।

इसके बाद सीनियर स्कूल फुटबॉल में भी दो बार नेशनल खेलने के बाद उसका चयन यूपी की सीनियर नेशनल टीम में हुआ और वह पांच बार नेशनल फुटबॉल के अलावा दिल्ली लीग में भी कई बार खेल चुकी है। खेलो इंडिया में बेहतरीन खिलाड़ी का खिताब जीतने पर सिल्वर मेडल गर्ल बनी थी। खेल की बदौलत ही वह कर्नाटक और बंगलुरु में भी लीग खेल चुकी है। अभी वह गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर से बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा है और यहीं की टीम से खेल रही है। पिछले साल आल इंडिया यूनिवर्सिटी फुटबॉल प्रतियोगिता में पदक जीतकर उसने वहां जिले का नाम रोशन किया था।

अच्छे प्रदर्शन की बदौलत देश के लिए खेलने का सपना सोनाक्षी ने रविवार को बताया कि कभी घर की पाबंदियों से बाहर निकलना मुश्किल था। परिवार ने सपोर्ट किया तो वह आज वह यहां तक पहुंची है। उसका सपना देश के लिए खेलना है। उसके शुरुआती प्रशिक्षक रहे जयकुमार राव कहते हैं कि सोनाक्षी बेहतरीन खिलाड़ी है। खेल की सभी बारीकियों को बखूबी जानती है और उसे मैदान पर दिखाती भी है। आने वाले समय में वह देश की बेहतरीन खिलाड़ी बनेगी।

राप्ती रीवर फ्रंट नाईट सर्किल टूर्नामेंट का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी,सिद्धार्थनगर। राप्ती रीवर फ्रंट नाईट सर्किल टूर्नामेंट का शुभारंभ रविवार की रात से हुआ। उद्घाटन मैच बागी क्रिकेट क्लब नरकटहा व रायल क्रिकेट क्लब अकबरनगर के बीच हुआ।यह मैच बागी क्रिकेट क्लब की टीम जीतने मे सफल रही। पहले बैटिंग करते हुए बागी क्रिकेट क्लब की टीम ने आठ ओवर मे 41रन बनाया और जीत के लिए 42 रनों का लक्ष्य लेकर मैदान मे उतरी रायल क्रिकेट क्लब की टीम 37 रन पर अपना सारा विकेट गंवा दिया और उसे हार का सामना करना पड़ा।इस मैच मे सर्वाधिक तीन विकेट लने वाले खिलाड़ी फैसल को मैन ऑफ दा मैच चुना गया। दूसरा मैच बांसी क्रिकेट क्लब व इन्जल क्रिकेट क्लब के बीच हुआ। बांसी क्रिकेट क्लब ने पहले बैटिंग कर आठ ओवर मे 54 रन बनाया। इन्जल क्रिकेट क्लब ने छः विकट खोकर विजय लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। इस मैच मे इन्जल क्रिकेट क्लब के कप्तान राज श्रीवास्तव को मैन ऑफ दा मैच चुना गया उन्होने ग्यारह रन बनाया था और दो विकेट लिया है। मैच के इम्पायर मोइद अनवर व आमिर अहमद थे। टूर्नामेंट का उद्घाटन निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष मो इद्रीश पटवारी ने किया। इस अवसर पर उन्होनें खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से प्रतिभाओं मे निखार आता है और खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। निसभासद मो इरफान बाकर ने खिलाडियों का हौसला बढ़ाते हुए कार्यक्रम आयोजको को बधाई दिया। अन्त मे टूर्नामेंट आयोजक फैज खान, अमीर हमजा व सारूख खान ने टूर्नामेंट मे आये सभी अतिथियों का आभार वयक्त किया। इस अवसर पर समाज सेवी हरिगोविंद साहू साहिल मेकरानी, शहजादे खान, इमरान पठान, पर्व सभासद इजहार खान, विवेक श्रीवास्तव, एजाज अहमद मुन्ना, शानु शेख, निहाल श्रीवास्तव, हर्ष पांडेय, रिषभ श्रीवास्तव, तन्नर राईनी, पिन्टू शेख आदि उपस्थित थे।

तीसरी आंख ह्यूमन राइट्स आर्गेनाइजेशन के अन्तर्राष्ट्रीय अधिवेशन में देश की बड़ी हस्तियां 7 जनवरी को करेंगी शिरकत

– मानवाधिकार संगोष्ठी में इंडो – नेपाल के नुमाइंदों की गोरखपुर में रहेगी नुमाइंदगी–शैलेंद्र मिश्र

गोरखपुर। तीसरी आंख ह्यूमन राइट्स आर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय अधिवेशन 7 जनवरी 2023 को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर में सुबह 11 बजे हिन्दुस्तान की नामचीन हस्तियां हिस्सा लेने गोरखपुर पहुंच रही हैं । यह कार्यक्रम मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं केआई पी एम कालेज गीडा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजक एवं तीसरी आंख ह्यूमन राइट्स आर्गेनाइजेशन के संस्थापक महासचिव शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने कार्यक्रम के सम्बन्ध में बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय अधिवेशन में सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाली शख्सियतों को मंच से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय उच्च न्यायालय के इलाहाबाद के माननीय न्यायमूर्ति डा. गौतम चौधरी होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय करेंगे। जबकि विशिष्ट अतिथि नवलपरासी नेपाल के मेयर बैजू प्रसाद गुप्ता, माननीय उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन इलाहाबाद अध्यक्ष एडवोकेट राधाकांत ओझा, माननीय उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के सचिव एसडी सिंह जादौन एवं सेंट एंड्रयूज स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर रसायन विज्ञान के सी पी गुप्ता कार्यक्रम की शोभा बढ़ायेंगे। श्री मिश्र ने कहा कि इस कार्यक्रम की खासियत यह है कि इंडो – नेपाल के अन्य राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। दोनों देश की मित्रता की बुनियाद पर भारत के रिश्तों और मानवाधिकार की वकालत पर मंच को साझा करेंगे।

थाना फरेंदा के नवनिर्मित भोजनालय का सीओ ने किया उद्घाटन

फरेंदा,महराजगंज। उत्तर प्रदेश पुलिस का स्लोगन है आपकी सेवा में सदैव तत्पर इस बात को विभाग हमेशा चरितार्थ करता है। एक ओर जहां क्षेत्र में डटे रहने वाले पुलिसकर्मी हमेशा लोगों की सुरक्षा में तत्पर रहते हैं वही विभाग के कई बड़े अधिकारी अपने मातहत पुलिसकर्मियों का विशेष ख्याल रखते हैं। मामला महाराजगंज जनपद के फरेंदा कोतवाली का है जहां पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ के निर्देश पर सीओ फरेंदा कोमल मिश्रा ने सोमवार को नवनिर्मित भोजनालय का उद्घाटन किया। हम सभी जानते हैं कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छे भोजन की आवश्यकता होती है अच्छा भोजन करके हम सभी अपने काम में दिल लगा सकते हैं इसी बात का ख्याल रखते हुए पुलिस अधीक्षक ने थाने परिसर में स्वच्छ व हवादार भोजनालय के निर्माण को निर्देशित किया। अब सभी पुलिसकर्मी अच्छे वातावरण में अच्छा भोजन कर क्षेत्र में अपने आप को स्वस्थ महसूस करते हुए बेहतर कार्य कर सकेंगे। उद्घाटन के अवसर पर सीओ फरेंदा कोमल प्रसाद मिश्रा ने कहा कि कोतवाली में भोजनालय सहित अन्य सुविधा स्नानागार व शौचालय की कमी महसूस हो रही थी। जिसके फलस्वरूप इसका निर्माण हुआ है। इससे सभी पुलिसकर्मियों को काफी मदद मिलेगी। इस मौके पर थाना प्रभारी सतेन्द्र कुमार राय, उप निरीक्षक अरविंद कुमार यादव, चौकी प्रभारी सुधाकर प्रसाद, उपनिरीक्षक रामकिशुन यादव, विजय यादव, दिनेश कुमार, लालजी यादव, तेजनरायन यादव, हरेंद्र प्रसाद, हेड मुहर्रिर अखिलेश पांडेय, साहब यादव, विद्यासागर, श्याम बहादुर, मौजूद रहे। वही भोजनालय के उद्घाटन से कोतवाली में तैनात पुलिसकर्मियों के चेहरे पर एक अलग सी खुशी झलक रही है।

जीआरपी और आरपीएफ ने की ट्रेनों में जांच

संदिग्ध ठिकानों पर की छापेमारी, मुखबिरों को भी लगाया

भटनी। नोनापार रेलवे स्टेशन के समीप छपरा पैसेंजर में असलहा के बल पर भाई–बहन से नकदी व मोबाइल लूट और गोरखपुर–सिवान पैसेंजर में दंपती से लूट की कोशिश मामले में तीसरे दिन भी पुलिस के हाथ खाली हैं। जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम नोनापार–भाटपाररानी रेलवे स्टेशनों के बीच जांच कर रही है। संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी करने के साथ ही मुखबिरों को भी काम पर लगाया है।

भटनी नगर के वार्ड संख्या 10 निवासी सेठ प्रसाद गुप्ता की बेटी ममता व बेटा पीयूष बृहस्पतिवार को आवश्यक समान की खरीदारी करने के लिए बिहार के मैरवा बाजार गए थे। रात आठ बजे दोनों मैरवा रेलवे स्टेशन से छपरा पैसेंजर ट्रेन में सवार होकर भटनी के लिए निकले। ट्रेन नोनापार रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाली थी तभी चलती ट्रेन में एक युवक भाई–बहन पर असलहा तान नकदी और रुपये लूट लिया था। जीआरपी से शिकायत की मोबाइल की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली। दूसरी ओर सिवान जिले के मकुनीपुर गांव निवासी अभिषेक कुमार पत्नी काजल के साथ मुंबई से दादर एक्सप्रेस से भटनी उतरे। यहां से गोरखपुर–सिवान पैसेंजर में बृहस्पतिवार की रात करीब नौ बजे सवार होकर सिवान जा रहे थे। इसी बीच ट्रेन जैसे ही नोनापार चली आउटर पर नकाबपोश बदमाशों ने दंपती को असलहे के दम पर लूटने की कोशिश की। दंपती ने सिवान रेलवे स्टेशन पर उतर कर इसकी शिकायत जीआरपी से की। सिवान जीआरपी ने दंपती मामले को भटनी जीआरपी को स्थानांतरित किया है। एसओ श्रवण कुमार शुक्ल ने बताया कि नोनापार रेलवे स्टेशन से लेकर भाटपाररानी स्टेशन के बीच रविवार को संदिग्धों से पूछताछ की गई। मुखबिरों के सहायता से जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

तहसील स्तरीय कम्बल वितरण शिविर का आयोजन हुआ सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोलाबाजार,गोरखपुर। शासन द्वारा कड़ाके की ठंड से गरीब असहाय लोगो को निजाद दिलाने केलिए सूबे की सरकार कटिबद्ध है। जगह जगह कम्बल वितरण व अलाव जलवाने की ब्यवस्था का फरमान सूबे के मुखिया द्वारा कर दिया गया है। उसी क्रम में शासन द्वारा प्रदत्त कम्बल को गोला तहसील प्रशासन ने गोला ब्लॉक सभागार में सोमवार को तहसील स्तरीय कम्बल वितरण शिविर का आयोजन कर सम्पन्न कराया।इस कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी गोला रोहित कुमार मौर्य तहसीलदार गोला बृजमोहन शुक्ला सहित राजस्व कर्मी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय विधायक राजेश त्रिपाठी द्वारा 250 कम्बल का वितरण गरीबो असहायों में किया गया। संख्या अधिक होने के कारण तहसील प्रशासन को दुबारा तहसील से 25 कम्बल मंगाने पड़े। उसके बाद भी पचासो लोग कम्बल पाने से बंचित रह गए और मायूस होकर अपने आशियाने की तरफ लौट हए। इस प्रकरण पर जब तहसीलदार गोला बृजमोहन शुक्ला से पूछा गया तो उन्होने बताया कि जो लोग आए थे उन्हें कम्बल उपलब्ध करा दिया गया है। जब यह कहा गया कि ब्लॉक सभागार में पहुचे पचासो असहाय कम्बल पाने से बंचित रह गए। तब उन्होंने कहा कि हमअपने आपदा बाबू नरसिंह प्रसाद व लेखपाल ओमप्रकाश यादव को बता दिया हु कि जो लोग बंचित रह गए है उनका नाम नोट कर ले। तहसील प्रशासन द्वारा हल्का लेखपाल के माध्यम से उन्हें कम्बल उपलब्ध करा दिया जाएगा।

- 250 कम्बल विधायक राजेश त्रिपाठी द्वारा किया गया वितरण
- कुछ गरीब असहायों को नही मिल पाया कम्बल मायूस बन कर लौटें अपने घर

वरिष्ठ समाजसेवी रामेश्वर दुबे ने गरीब बच्चों को बांटे कीट सामग्री

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला,गोरखपुर। गरीबों के मसीहा, राजनीति की दशा और दिशा को परिवर्तित करने वाले ग्राम प्रधान धौरहरा वरिष्ठ समाजसेवी रामेश्वर दुबे ने चंद्रास फाउंडेशन के तत्वधान में १२० गरीब बच्चों को किट प्रदान कर आर्थिक सहायता दी, बता दे, गोला तहसील क्षेत्र के ग्राम प्रधान धौरहरा रामेश्वर दुबे ने बताया कि गत दिनों मीडिया के माध्यम से उन्हें जानकारी प्राप्त हुई थी कि चंद्रास फाउंडेशन में बच्चों को निशुल्क शिक्षा और आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। दुबे ने बताया कि यह खबर सुनकर उनसे रहा नहीं गया और मुंबई से चलकर परिवार सहित चंद्रास फाउंडेशन में पहुंचे और वहां पहुंचकर १२० बच्चों को कीट सामग्री प्रदान किया कर आर्थिक सहायता दी रामेश्वर दुबे ने कहा कि जनपद के प्रशासन और राजनीतिक पार्टियां जगह जगह केंद्र प्रायोजित योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का दावा करती हैं आज वो कहां हैं। केंद्र सरकार द्वारा गरीब जनता को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर जिन लोगों को इन योजनाओं की अहम जरूरत है उन तक नहीं पहुंच रहीं। उन्होंने कहा कि मेरा कर्म गरीबों की मदद करना और उनके दुख सुख में साथ देना एक मात्र लक्ष्य है, जिसे में आगे भी जारी रखूंगा। लेकिन इसके साथ–साथ उन राजनेताओं को भी जमीनी स्तर पर लोगों का ध्यान रखना चाहिए जिन लोगों से वह वोट लेते हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी राजनीतिक पार्टी से ताल्लुक नहीं रखते हैं और जिस किसी गरीब जरूरतमंद की मदद करते हैं, अपनी जेब से करते हैं। दुबे ने कहा कि इन गरीब बच्चों को इन्हें आश्वासन देता हूं कि भविष्य में किसी प्रकार की जरूरत हो तो बेझिझक होकर फोन कर सकते हैं, आगे भी मदद करते रहुंगा। चंद्रास फाउंडेशन के संचालक पंकज गुप्ता ने ग्राम प्रधान रामेश्वर दुबे को फाउंडेशन के तरफ से धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया प् इस अवसर पर प्रवीण सिंह भैया जी पूर्व चेयरमैन गिरधारी लाल स्वर्णकार फाउंडेशन सहित सभी लोग उपस्थित रहे।

चन्द्राश फाउंडेशन ने तृतीय वार्षिक स्टेशनरी दान अभियान का किया आयोजन

आर्थिक रुप से कमजोर बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान कराना चंद्रा फाउंडेशन का उद्देश्य

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोलाबाजार,गोरखपुर। गोला उपनगर के पक्का घाट मां सरयू के पावन तट पर नव वर्ष की संध्या बेला पर रविवार की शाम को चन्द्राश फाउंडेशन द्वारा स्टेशनरी दान अभियान का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य मुख्य रूप से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करवाना हैं। चन्द्राश फाउंडेशनं के संस्थापक पंकज कुमार गुप्ता व राज सोनकर ने बताया कि जैसा की सभी जानते हैं हैं की हमारे भारत मे मजदूरी कर के जीवन यापन करने वालो की संख्या बहुत ही अधिक है। ऐसे मे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करवा पाना बहुत ही मुश्किल होता हैं। इसी क्रम में नगर पंचायत गोला मे चन्द्राश फाउंडेशन विगत कई वर्षो से कस्बे के 120 बच्चों को निशुल्क और बेहतर शिक्षा प्रदान करवाने का निरंतर प्रयास करता हैं। हर वर्ष की भांति इस वर्ष पे भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था ने बच्चों के पठन–पाठन से जरुरत की चीजें स्कूल बैग टिफिन बॉक्स पेन पेंसिल रबर कटर किताबें आदि उपहार देकर सहित पठन सामग्री हेतु किट दान मे दिया। साथ ही चन्द्राश फाउंडेशन के इस सामजिक कार्यों के लिए गणमान्य लोगों ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर रजत वर्मा राम बाबू जायसवाल आकाश अग्रवाल संदीप मोदनवालनीरज मौर्या समीम अहमद किशन वर्मा सानू मोदनवाल अनिकेत प्रजापति जीतेन्द्र यादव प्रवीण सिंह आदि लोगो ने इस कार्यक्रम में अपना पूरा सहयोग देकर सफल बनाया व बच्चों के शिक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियां व हर सामजिक कार्यों मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने का संकल्प लिया।

संतोष पांडे बने ब्राह्मण महासभा के जिला प्रभारी

फरेंदा, महराजगंज

फरेंदा के दक्षिणी बाईपास पर स्थित रामजानकी मंदिर(तपसी धाम)में सोमवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा)के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित किया गया। इस दौरान संगठन के विस्तार पर चर्चा किया गया। वही जिला प्रभारी के पद का प्रस्ताव ब्राह्मण महासभा के संरक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी ने प्रस्तुत किया। जिसमें सर्वसम्मति से संतोष पांडेय को महासभा का जिला प्रभारी बनाया गया। जिला प्रभारी संतोष पांडेय ने कहा कि वह पूरे मनोयोग से संगठन के प्रति कार्य करेंगे। सबके उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। इस दौरान वेद प्रकाश मिश्रा, रघुवर मिश्रा, लालजी पांडेय, हरि प्रकाश पांडेय, हरीश चंद्र पांडेय, योगेंद्र, नितेश मिश्रा, दीपांशु मणि त्रिपाठी, अमरेश चंद्र पांडेय, राजन तिवारी, विपिन, शिवाकांत चौबे, अभिषेक पांडेय, राजीव पाठक मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में सरकारी योजनाओं के बारे में दी गयी जानकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

म्योरपुर,सोनभद्र। सोमवार को स्थानीय ब्लॉक सभागार में क्षेत्र पंचायत म्योरपुर की बैठक आयोजित किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आये क्षेत्रीय विधायक रामदुलार गोंड़ व विशिष्ठ अतिथि ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गोड़ द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर द्वीप प्रज्वल्लित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बैठक में आये ग्राम प्रधानों एव क्षेत्र पंचायत सदस्यों के समक्ष एडीओ पंचायत रविदत्त मिश्र द्वारा पूर्व की कार्यवाही पढ़कर सुनाया गया एवं पिछले वर्ष किये गए विकास कार्यो की पुष्टि किया गया। बैठक में जन प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक रामदुलार गोंड़ ने कहा कि गांवों के विकास में जनप्रतिनिधि का सम्मान हर हाल में होना चाहिए। विकास कार्यो में ग्राम पंचायत अधिकारी व तकनीकी सहायकों द्वारा किसी भी प्रकार की शिथिलता न वरती जानी चाहिए अन्यथा उनके खिलाफ कार्यवाही करायी जाएगी। बैठक में खण्ड विकास अधिकारी नीरज तिवारी द्वारा विन्दुवार प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास, शौचालय निर्माण,मनरेगा के तहत कराए गए विकास कार्यो एव आजीविका मिशन के तहत गठित समूहों, दिव्यांग पेंशन,विधवा पेंशन के बारे में जानकारी दिया। पशुचिकित्साधिकारी डॉ विवेक सरोज द्वारा पशुपालन विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम गर्भधारण, टीकाकरण, पशु बीमा एवम सुअर पालन योजना के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दिया। सुअर पालन में किसानों को 90 प्रतिशत सब्सिडी सरकार द्वारा दी जा रही है। चिकित्साधिकारी संजीव बिंद ने स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जानकारी दिया। एडीओ पंचायत रविदत्त मिश्र द्वारा जनप्रतिनिधियों से अपील किया कि जिन पात्र लोगो को शौचालय न मिला हो वे उनका नाम चयन कर सूची में नाम डलवा दें। जो हैंडपंप खराब पानी दे रहे है उनको रिबोर की सूची में डालकर उनका रिबोर करवाये।

पेयजल की समस्या प्रमुख समस्याओं में से एक है उसपर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इस दौरान डिप्टी सीएमओ सोनभद्र, जिलापंचायत सदस्य किरबिल जगधारी गोंड़,प्रधान संघ के अध्यक्ष प्रेमचंद यादव, विधायक प्रतिनिधि ज्ञानदास, सुधीर कुमार, आशीष कुमार, दीपक अग्रहरी, सुरेंद्र रवानी, संतलाल, बर्फी लाल, मुहम्मद इरफान, सहित ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने किया कंधों पर सितारे लगाकर उत्साहवर्धन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जनपद में नियुक्त उप निरीक्षक गोपनीय अच्छे लाल

को वरिष्ठता के आधार पर निरीक्षक गोपनीय के पद पर पदोन्नति प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह द्वारा निरीक्षक गोपनीय के पद पर प्रमोशन पाने पर अच्छे लाल के कंधों पर नये पद के सितारे लगाकर उत्साहवर्धन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी गई तथा उनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना की गई।

पुलिस अधीक्षक ने किया पुलिस लाइन चुर्क में जलपान कैन्टीन का उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा पुलिस

लाइन में पुलिस कर्मियो के कल्याण हेतु पुलिस जलपान कैन्टीन का फीता काटकर कैन्टीन का शुभारम्भ किया गया। इस दौरान उनके द्वारा कहा गया कि पुलिस कर्मियो के कल्याण हेतु कैन्टीन का शुभारम्भ किया गया है। जिससे पुलिस कर्मी पुलिस लाइन के अन्दर ही जलपान कर सकेगें। कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर राहुल पाण्डेय, प्रतिसार निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण दिलाने के लिए ज्ञापन सौंपा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बाराबंकी। नगर निकाय के चुनाव में संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करके, आयोग बनाकर, सर्वे करवा कर आरक्षण लागू करना था। लेकिन जान बूझकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने ऐसा गड़बड़ आरक्षण किया, कि हाईकोर्ट ने इनके आरक्षण को रद्द कर दिया। इतना ही नहीं हाईकोर्ट ने यह तक कह दिया कि, अगर आप प्रक्रियाओं का पालन करते हैं तो आरक्षण में ओबीसी को उनका हक मिलेगा और अगर बगैर प्रक्रिया के आरक्षण व्यवस्था लागू की तो बिना आरक्षण के ही चुनाव करा

दो। आम आदमी पार्टी का साफ तौर पर मानना है कि यह गड़बड़ी जानबूझकर की गई है। इसके लिए जो भी अधिकारी और सरकार के लोग जिम्मेदार हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस नगर निकाय चुनाव में भाजपा सरकार ने जानबूझकर सर्वे में गड़बड़ी कराई इसके खिलाफ आज दिनांक 02 जनवरी 2022 को आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन किया। अगर सरकार ने संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए निकाय चुनाव में व्ठब् का आरक्षण लागू नही किया तो आने वाले समय में आम आदमी पार्टी चरणबद्ध तरीके से बड़े स्तर का आंदोलन करेगी। राज्यपाल आपसे अनुरोध है कि इस गंभीर मुद्दे पर हस्तक्षेप करें और संवैधानिक तरीके से नगर निकाय चुनाव में व्ठब् आरक्षण को लागू कराएं, ताकि पिछड़े वर्ग के लोगों को उनका हक और न्याय मिल सके। आम आदमी पार्टी हमेशा पिछड़ों के हक और अधिकारों के लिए संघर्ष करती आई है और इस मुद्दे पर भी पिछड़ों को उनका हक दिलाकर रहेगी। भाजपा सरकार पिछड़ों के खिलाफ है, आरक्षण के खिलाफ है और पिछड़ों को उनका हक देने के खिलाफ है। लेकिन आम आदमी पार्टी भाजपा के ऐसे कदमों के खिलाफ डटकर खड़ी रहेगी और पिछड़ो को उनका हक दिलाएगी इस मौके पर नूर सिद्दीकी, जुगराज सिंह, मुन्ना रावत, प्रणीत मौर्या, पंकज वर्मा, कामिल, अभिषेक, सतेंद्र, नसीम सहित सैकडो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव मे सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। गोल्डेन कोचिंग इंस्टिट्यूट मधुपुर का वार्षिकोत्सव धूम धाम से मनाया गया। वार्षिकोत्सव मे कोरोना काल, वर्तमान शिक्षा, नशामुक्ति, नारी सशक्तिकरण एवं बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं की प्रस्तुतिया आकर्षण का केंद्र रही। आपको बताते चलें की सोमवार को करमा ब्लाक के मधुपुर जी एफ कोचिंग इंस्टिट्यूट के ग्राउंड मे रंगारंग वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चन्द्रगुप्त मौर्य इंटर मिडिएट कालेज के प्रबंधक दयाशंकर सिंह कुशवाहा व प्रधानाचार्य दया शंकर सिंह सयुक्त रुप से रहे। सर्वप्रथम कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती माता के प्रतिमा पर पुष्प गुच्छ चढ़ाकर किया गया। उन्होंने बताया की शिक्षा के साथ साथ इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोनांचाल उत्थान एवं विधिक सेवा ट्रस्ट के संस्थापक मनोज कुमार दीक्षित के द्वारा किया गया। उन्होंने बताया की विद्यालय मे सांस्कृतिक गतिविधियों से छात्रों मे सामाजिक नेतृत्वगुण, सहनशीलता एकता व भाईचारे की भावनाए विकसित होती है।इस प्रकार के कार्यक्रमों से अनुशासन सामजस्य की भावना आत्मविश्वास कला कौशलो का विकास होता है। कार्यक्रम का संचालन अश्वनी कुमार के द्वारा किया गया। विद्यालय के प्रबंधक राजदेव मौर्य ने बताया की अपनी परम्परा एवं संस्कृति के संवर्धन हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम बहुत जरूरी है। इसके बाद पंजाबी हिंदी सहित आधुनिक शिक्षा नारी सशक्तिकरण बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं नशामुक्ति सहित तमाम नाट्य कला झाकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। अंत मे कार्यक्रम मे आये हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। वही इस मौके पर चन्द्रगुप्त मौर्य विद्यालय के उप प्रबंधक राधेश्याम, मंत्री विजय कुमार मौर्य प्रधानाचार्य बृज बिहारी, अजीत पटेल व कोचिंग के व विद्यालय परिवार के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं सहित सैकड़ो छात्र छात्राए उपस्थित रहे।

प्रमुख प्रतिनिधि ने जरूरत मंदो में वितरित किया कंबल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। रामगढ़ बस्ती में चतरा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि धीरेंद्र

पटेल के सौजन्य से ठंड से निजात दिलाने हेतु जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया कंबल वितरण के इस कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख प्रतिनिधि धीरेंद्र पटेल ने कहा कि गरीबों की सेवा से बड़ा कोई सेवा व धर्म नहीं है ऐसे में इस समय पड़ रही भयंकर शीत लहरी एवं ठंड से सिकुड़ रहे असहाय लोगो को ठंड से निजात दिलाने हेतु बढ़–चढ़कर कंबल एवं गर्म वस्त्र वितरण किए प्रमुख प्रतिनिधि ने कहा कि यहां के लोग इतने सरल व सीधे हैं जिसकी मिसाल दी जाती है कंबल वितरण करने का लक्ष्य ठंड से निजात दिलाने हेतु वितरण कराया गया गरीब बुजुर्ग विकलांग असहाय लोगों को किया गया कंबल वितरण और प्रमुख प्रतिनिधि ने कहा कि कंबल वितरण का सिलसिला ठंडी तक चलता ही रहेगा इस मौके पर कसारी के क्षेत्र पंचायत सदस्य विनय श्रीवास्तव, अनुपम सिंह, सियाराम पटेल बीरधी के ग्राम प्रधान, प्रशांत मिश्रा, जयराम पटेल, सोनू, रामगढ़ फर्स्ट के क्षेत्र पंचायत सदस्य राजा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी मौजूद रहे।

खोए हुए 60 मोबाइल फोन को उनके स्वामियों के सुपुर्द किया गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में गुम हुए व कहीं गिर गये मोबाइल सेटों की बरामदगी करने हेतु प्रभारी सर्विलांस सेल उपनिरीक्षक अंकित त्रिपाठी के नेतृत्व में एक मोबाइल रिकवरी टीम का गठन कर जल्द आवश्यक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके क्रम में 2 जनवरी 2023 को सर्विलांस सेल की मोबाइल रिकवरी टीम द्वारा कठिन परिश्रम करते हुए 60 अदद कीमती मल्टी मीडिया मोबाइल सेटों को बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई,बरामद किए गए मोबाइल सेटों की कुल कीमत लगभग 12,00,000–रुपये (बारह लाख रूपए) है।

बरामद मोबाइल सेटों को पुलिस अधीक्षक बाराबंकी द्वारा आज पुलिस लाइन सभागार में उनके स्वामियों के सुपुर्द किया गया।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

पति की गला रेत कर हत्या करने वाली पत्नी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत आवेदक सुनील देव

पाण्डेय पुत्र स्व0 मुनेश्वर देव पाण्डेय निवासी बुडहरकला, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र द्वारा डायल–112 पर सूचना दी गयी कि बीती रात्रि में बृजेश देव पाण्डेय पुत्र दीपू निवासी उत्तर मोहाल कस्बा रॉबर्ट्सगंज, थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 40 वर्ष की उनके ही घर में गला रेतकर हत्या कर दी गयी है। उपरोक्त घटना के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0–946ध्2022 धारा 302, 34 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा घटना के शीघ्र अनावरण व घटना में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में थाना रॉबर्ट्सगंज की पुलिस टीम गठित कर आवश्यक निर्देश दिए गए। इस टीम द्वारा अथक लगन व प्रयास से धरातलीय व इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों के आधार पर घटना में संलिप्त 02 नफर अभियुक्तध्अभियुक्ता 1–विकास देव पाण्डेय पुत्र अनिल देव पाण्डेय, निवासी बुडहरकला, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र 2–आराधना पाण्डेय पत्नी स्व0 बृजेश देव पाण्डेय, निवासी बुडहरकला, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र को मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक–02.01.2023 को सुबह समय 07.55 बजे बिच्छी गांव के सामने नेशनल हाईवे के पास गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार शूदा अभियुक्तगण से पूछताछ में अभियुक्तगण द्वारा अपना जुर्म स्वीकार किया गया तथा निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आला कत्ल चाकू एवं घटना में प्रयुक्त 01 अदद मोबाइल बरामद किया गया। उपरोक्त बरामदगी के सम्बन्ध में धारा 4ध्25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई प्रचलित है।

बालश्रम को लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिला प्रोबेशन अधिकारी राजेश कुमार खैरवार की

अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला प्रशिक्षण का किया गया आयोजन जिसमें जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा बाल विवाह व बाल अधिकार के मुद्दों पर चर्चा कर विस्तृत जानकारी दी गई। ओम प्रकाश त्रिपाठी सदस्य किशोर न्याय बोर्ड द्वारा पॉक्सो एक्ट व जे0 जे0 एक्ट के बारे में जानकारी दिया गया साथ ही बच्चों के सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डाला गया। राजेश चौबे सचिव सोनभद्र विकास समिति द्वारा बाल विवाह बाल तस्करी के बारे में विस्तृत जानकारी एवम उसके दुष्परिणाम के बारे में बताया गया। अखिल नारायण देव पाण्डेय अध्यक्ष बाल कल्याण समिति द्वारा बताया गया की बाल श्रम के लिए ग्राम स्तर पर जागरूकता अभियान की आवश्यकता है। राम जी यादव प्रभारी मानव तस्करी रोधी इकाई द्वारा बाल तस्करी मानव तस्करी के बारे में बताया गया। उक्त प्रशिक्षण में मानव तस्करी रोधी इकाई ,बाल कल्याण समिति ,जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला शक्ति केंद्र, जिला प्रोबेशन कार्यालय, वन स्टॉप सेंटर व संस्थाओ के अधिकारीध कार्मिक उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा किया गया।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

कार्यालय नगर पंचायत भारत भारी

श्री योगी आदित्यनाथ जी
मुख्यमंत्री, उ.प्र. सरकार

नगर की सम्मानित जनता को

नव वर्ष-2023 एवं मकर संक्रांति

की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में निकाय को सर्वोच्च स्थान दिलाने में सहयोग प्रदान करें।

संजीव रंजन
जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर

उमाशंकर
अपर जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर

नगर पंचायत के नागरिकों से अपील

1. स्वच्छता संबंधित शिकायतों के लिए प्ले स्टोर से से स्वच्छता ऐप (mohua app) को डाउनलोड करे प्रयोग करें।
2. कूड़े को सड़क, नाला व नाली में कुछ न फेंके उसे कूड़ेदान में ही डालें।
3. अपने घरों / दुकानों का निर्धारित समय पर कुड़े एकत्रित करने वाले सफाई कर्मचारियों को उपलब्ध करायें।
4. सिगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करें, सामान लाने के लिए कपड़े के थैले का प्रयोग करें।
5. नगर निकाय से संबंधित शिकायतों के लिए 1533 या पर शिकायत करें।
6. अपने घरों से निकलने वाले गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग करके ही कूड़े वाले गाड़ी में डालें।
7. नगर को हरा भरा रखने एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रति व्यक्ति एक पेड़ जरूर लगाएं।
8. पानी की टोटी या खुला ना रखे जल ही जीवन है इसे सरक्षित करें।
9. संचारी रोगों को फैलने से रोकने के लिए अपने आसपास सफाई रखें।
10. खुले में शौच ना करें सदा व्यक्तिगत यह सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय का ही प्रयोग करें।
11. घरों में बने हुए व्यक्तिगत शौचालय की टंकी हर 3 साल पर साफ करवाने के लिए टोल फ्री नंबर 1533 या नगर निकाय से संपर्क करें।
12. घरों से निकलने वाले गीले कुड़े से घर में जैविक खाद (कंपोस्ट) बनाएं।
13. नगर को स्वच्छ स्वस्थ सुंदर बनाने में नगरपालिका का सहयोग करें।

अजय कुमार पाण्डेय
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत भारत भारी
सिद्धार्थनगर

स्वच्छ नगर पंचायत ,स्वस्थ नगर पंचायत

दैनिक बुद्ध का संदेश, सिद्धार्थनगर